जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 141 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 26 मार्च, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

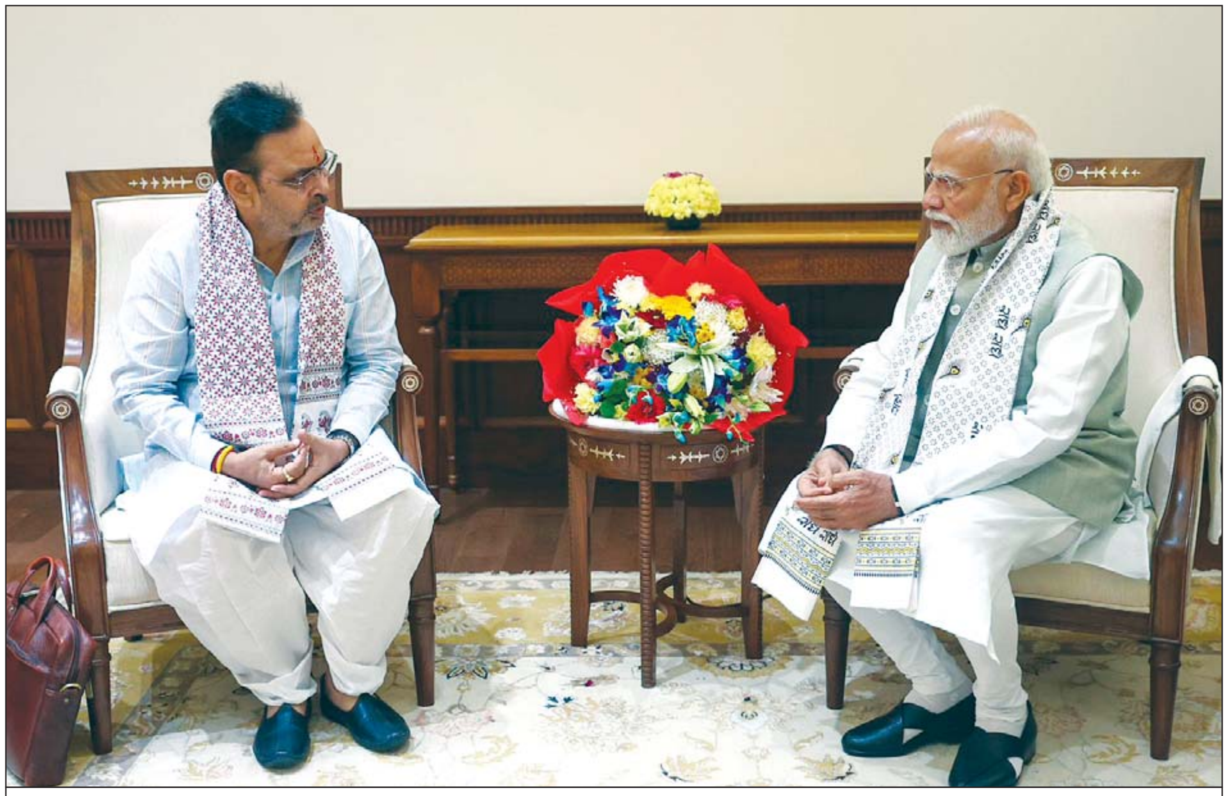

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री को नवरात्र पर्व की शुभकामना एवं बधाई दी तथा राजस्थान के शिल्पकार द्वारा चंदन की लकड़ी से निर्मित मां दुर्गा की मूर्ति भेंट की। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी से विकसित राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की योजनाओं और नीतियों के सफल क्रियान्वयन से आमजन लाभांवित हो रहे हैं। वहीं, राजस्थान विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां को छू रहा है।

'24, अकबर रोड से कई यादें जुड़ी हैं'

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। कांग्रेस के मुख्यालय 24, अकबर रोड (पार्टी मुख्यालय) और 5 रायसीना रोड (युवा कांग्रेस कार्यालय) को खाली करने के लिए एस्टेट निदेशालय द्वारा दिए गए नोटिस पर पार्टी नेताओं का गुस्सा और नैतिकता का दावा कुछ हद तक गलत लगता है, हालांकि यह कहा जा सकता है कि ये नोटिस ''बदले की राजनीति'' का प्रतीक हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे को अदालत में ले जाने का फैसला किया है, ताकि उसे जबरन बाहर न किया जा सके।

- केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा कांग्रेस को पूर्व मुख्यालय, 24 अकबर रोड को खाली करने के नोटिस पर वरिष्ठ पार्टी नेता बेहद भावुक हो रहे हैं, उनका कहना है, यहाँ से इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिम्हाराव और मनमोहन सिंह की यादें जुड़ी हुई हैं।

शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय की 2006 की नीति के तहत, राजनीतिक दलों को नए कार्यालय बनाने के लिए जमीन दी जाती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री बनने की चाह ने कितना बदल दिया के.सी. वेणुगोपाल को

वेणुगोपाल केरल में अब घर-घर जा रहे हैं और उन रूष्ट कांग्रेस उम्मीदवारों को मनाने में जुटे हैं, जिन्हें कांग्रेस का टिकट नहीं मिला और जो बागी उम्मीदवार के रूप में खड़े होने की तैयारी में हैं

- रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। के. सी. वेणुगोपाल को पार्टी में एआईसीसी के संगठन महासचिव की तरह व्यवहार करने में छह साल लग गए, इस समय भी वे यह जिम्मेवारी तब निभा रहे है, जब इससे उनका खुद का स्वार्थ जुड़ा हुआ है, क्योंकि वे केरल के मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।

केरल में विधानसभा चुनाव प्रचार पूरे जोरों पर हैं और के. सी. वेणुगोपाल इन दिनों केरल में सक्रिय हैं, जहां उनका कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। वे लगातार घर-घर जाकर उन कांग्रेस नेताओं से मिल रहे हैं, जिन्हें टिकट नहीं मिला या जो बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।

उनका उद्देश्य इस बारगी प्रत्याशियों को शांत करना है, ताकि केरल चुनावों में पार्टी को कोई नुकसान न हो।

अब सवाल उठ रहा है कि संगठन महासचिव के रूप में वेणुगोपाल ने यही काम महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, बिहार या अन्य राज्यों में क्यों नहीं किया, जहां कांग्रेस बुरी तरह विधानसभा चुनाव हार गई।

- वेणुगोपाल केरल में पार्टी खेमेबाजी व अंतर विरोध को समेटने की कोशिश कर रहे हैं और वरिष्ठ नेताओं की आपसी रंजिश व मनमुटाव को समझाइश से बीच बचाव करके निपटाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं।
- वेणुगोपाल के इन सभी प्रयत्नों का एक ही ध्येय है, आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो।
- पर, अहम् सवाल यह उठ रहा है कि ए.आई.सी.सी. में संगठन महासचिव वेणुगोपाल ने ये ही प्रयत्न महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली व बिहार में क्यों नहीं किए, जहाँ कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में हार का मुँह देखना पड़ा।
- शायद इन राज्यों में भी कांग्रेस की इतनी भारी हार नहीं होती, अगर संगठन महासचिव इन राज्यों में भी अपनी ''जॉब-प्रोफाइल'' के अनुरूप सक्रियता दिखाते।

क्या यह संगठन महासचिव के रूप में उनके कार्यक्षेत्र का हिस्सा नहीं था?

क्या इन राज्यों में गुटबाजी को सुलझाना उनकी जिम्मेदारी नहीं थी?

क्या नाराज वरिष्ठ नेताओं को मनाना उनका कर्तव्य नहीं था?

या फिर यह सुनिश्चित करना, कि कांग्रेस एकजुट होकर भाजपा का मुकाबला करे, उनकी भूमिका में शामिल नहीं था?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अपनी हार को समझौते का जामा पहनाने की कोशिश न करें'

ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के पन्द्रह सूत्री ''शांति प्रस्ताव'' की खिल्ली उड़ाई

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मार्च। पश्चिम एशिया के युद्ध को समाप्त करने के लिए पंद्रह बिंदुओं की एक शांति योजना ईरान भेजी गई है, ताकि क्षेत्र में शत्रुता समाप्त हो सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि ईरान जल्द से जल्द शांति समझौते को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुक है।

पाकिस्तान का कहना है कि उसने ट्रंप के पंद्रह बिंदुओं का एजेंडा ईरान तक पहुंचाया है, पर इज़रायल के अनुसार, ईरान द्वारा इसे स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है। ईरान ने युद्ध समाप्त करने के लिए मध्यस्थता के सभी प्रयासों को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि यह केवल ईरान की शर्तों पर होगा, अमेरिका की शर्तों पर नहीं।

पाकिस्तान ने युद्धरत पक्षों के बीच वार्ता की मेजबानी करने की पेशकश की है। तुर्की और मिस्र भी यह कह रहे हैं कि वे दोनों पक्षों के संपर्क में हैं और मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, ईरान ने कहा है कि जितनी अधिक बार यह गलत जानकारी दोहराई जाएगी कि ईरान शांति योजना के लिए विनती कर रहा है, उतना ही वह ऐसे प्रस्तावों के प्रति अधिक कठोर रुख अपनाएगा।

- ईरान ने यह भी कहा कि उसका अमेरिका से किसी भी तरह का सम्पर्क स्थापित नहीं हुआ है, साथ ही ईरान ने पुरजोर तरीके से दावा किया कि वह अमेरिका से किसी भी तरह की ''डील'' पर बातचीत नहीं करेगा।
- गौरतलब बात यह भी है कि अमेरिका के सैन्य सामान का काफी कुछ भंडार खत्म हो गया है, ईरान के साथ युद्ध में, और अमेरिका के युद्ध मामलों के सचिव (मंत्री) पीट हेगसेथ हथियारों के खत्म होते भण्डार को पुनः भरने के लिए हथियारों के प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।
- पर, विडम्बना यह है कि आधुनिक हथियारों के प्रोडक्शन के लिए सबसे ज्यादा जरूरत ''रेयर अर्थ मिनरल्स'' की होती है, जिसके लिए अमेरिका को चीन के सामने हाथ पसारने पड़ते हैं।
- ट्रंप को चीन पर यह निर्भरता कतई पसंद नहीं आ रही है और निर्भरता को खत्म करने के लिए निरंतर रास्ते ढूंढ रहे हैं। दूसरी ओर चीन ने अमेरिका को ''रेअर अर्थ मिनरल्स'' सप्लाई के बारे में अपने रवैये को और सख्त कर दिया है।

ट्रंप की शांति योजना में ईरान के परमाणु कार्यक्रम का पूर्ण खात्मा शामिल है, जिसमें यूरेनियम संवर्धन को छोड़ने का वचन, सभी परमाणु प्रतिष्ठानों को अन्तर्राष्ट्रीय निरीक्षण और आईईए (इंटरनैशनल एनर्जी एजेन्सी) द्वारा निगरानी के लिए खोलना, तथा आत्मरक्षा के सीमित उद्देश्यों को छोड़कर सभी मिसाइल उत्पादन और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान सिर्फ जेडी वैंस से बात करेगा

वॉशिंगटन, 25 मार्च। पश्चिम एशिया संकट के कूटनीतिक समाधान पर बातचीत चल रही है। इस बीच ईरान ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को साफ संकेत दिया है कि वह अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर के साथ दोबारा बातचीत नहीं करना चाहता। इसके बजाय, तेहरान की प्राथमिकता अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत करने की है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया संस्थान सीएनएन ने दी है।

- अमेरिकन मीडिया संस्थान सीएनएन ने यह जानकारी दी और कहा इसकी वजह यह है कि वैंस शुरु से ही ईरान पर हमले के विरुद्ध है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का मानना है कि स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर के साथ बातचीत विश्वास की कमी के कारण प्रभावी नहीं होगी। गौरतलब है कि अमेरिका के ईरान पर हमले से पहले स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर ही ईरानी सरकार के साथ बातचीत कर रहे थे और वह बातचीत विफल रही थी। रिपोर्ट के अनुसार, जेडी वेंस युद्ध खत्म करने के समर्थक हैं और ऐसी रिपोर्ट्स आ चुकी हैं कि वेंस, ईरान पर हमले के पक्ष में नहीं थे। यही वजह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मॉल की बेसमैंट पार्किंग पर क्या यूडी टैक्स वसूल सकता है नगर निगम?

क्रिस्टल पाम के मालिकों ने नगर निगम द्वारा थमाए गए डिमांड नोटिस और यूडी टैक्स वसूली के नियम-कायदों को हाई कोर्ट में चुनौती दी

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 25 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में जयपुर में 22 गोदाम सर्किल पर स्थित क्रिस्टल पाम मॉल के बेसमेंट में बनी पार्किंग का नगर निगम जयपुर द्वारा अरबरन डबलपमैंट (यूडी) टैक्स मांगे जाने को लेकर थमाए गए डिमांड नोटिस को मॉल के मालिक महिमा ग्रुप रियल एस्टेट प्रा. लि. ने चुनौती दी है। इस मामले में स्वायत्त शासन विभाग और नगर निगम के ज़ोन उपायुक्त को भी पक्षकार बनाया गया है।

इस मामले में कानूनी मुद्दा यह उठाया गया है कि मॉल की बेसमेंट पार्किंग, जो थर्ड पार्टी को संचालन के लिए दी जाती है, क्या वह कमर्शियल एक्टिविटी है और क्या उस पर यूडी टैक्स लागू किया जा सकता है?

मॉल मालिकों की ओर से नगर निगम के उन नियम-कायदों को चुनौती दी गई है, जिनके जरिए जयपुर में बकाया यूडी टैक्स वसूला जा रहा है। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी. माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता फलक माथुर पैरवी के लिए पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि नगर निगम के सिविल लाइंस ज़ोन ऑफिस ने क्रिस्टल पाम मॉल की बेसमेंट पार्किंग को व्यवसायिक गतिविधि मानते हुए यूडी टैक्स चुकाने का नोटिस थमाया है। जिस नियम के अनुसार नगर निगम प्रशासन द्वारा यूडी टैक्स वसूला जा रहा है, उस नियम में इमारतों की बेसमेंट पार्किंग को ''कमर्शियल बिल्डिंग'' का हिस्सा नहीं माना गया है। इस पार्किंग की जगह पर व्यवसायिक गतिवधि नहीं होती, यह सुविधा क्षेत्र है, जो मॉल में आने वाले लोगों को पार्किंग की सुविधा मुहैया करवाने के लिए है।

- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि, मॉल्स में बेसमैंट पार्किंग आमजन की सुविधा के लिए होती है, यह कमर्शियल गतिविधि नहीं मानी जा सकती।
- वहीं, अदालत ने मॉल संचालकों को नगर निगम के कर निर्धारक अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रखने को कहा है, अब इस प्रकरण में 27 मार्च को सुनवाई होगी।

उन्होंने कहा कि इस सुविधा क्षेत्र पर किसी व्यक्ति विशेष का मालिकाना हक नहीं होता, यह आमजन की पार्किंग सुविधा के लिए ही है। उन्होंने अदालत को बताया कि वे नगर निगम के कर निर्धारक को इस बारे में अपनी आपत्ति भी दर्ज करवा चुके हैं, लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई।

इस मामले में राजस्थान सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता जी.एस. गिल पैरवी के लिए पेश हुए थे। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि ऐसे ही मामले पर अदालत ने पूर्व में नगर निगम को आदेश दिए थे कि कर निर्धारण करने वाले ऑफिसर व्यापारियों की शिकायतों और आपत्तियों पर निष्पक्षता से उनका पक्ष सुनें। सभी तथ्यों को सुनने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपना नाम सदा कायम रखने के लिए मनुष्य बड़े से बड़ा जोखिम उठाने, धन खर्च करने, हर तरह के कष्ट सहने, यहाँ तक कि मरने के लिए भी तैयार हो जाता है। –सुकरात

एलपीजी और पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता की सकारात्मक पहल

अमेरिका-इजरायल व ईरान के बीच युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की उपलब्धता की कमी का भ्रामक संदेश फैलाकर जिस तरह से देश और प्रदेश में प्रदर्शन और आमजन में भय का वातावरण बनाने का प्रयास किया जा रहा है उसके बीच प्रदेश में किसी तरह का पैनीक हालात ना बने इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पहल कर प्रदेशवासियों के बीच सकारात्मक संदेश दिया है। होता यह है कि जब देश में नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास किया जाता है तो उसके पीछे जो ध्येय होता है व समाज के व्यापक हित में नहीं हो सकता। इसके साथ ही जनता भी समझदार होती है और नकारात्मक माहौल तैयार करने वाले तत्व जल्द ही बेनकाब हो जाते हैं। देश और प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी के प्रर्याप्त भण्डार उपलब्ध है और सरकार निरंतर आपूर्ति बनाये रखने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रोएक्टिव रोल निभाते हुए ना केवल हालात की समीक्षा की, अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिए अपितु प्रदेशवासियों को भी विश्वास दिलाने का सार्थक कदम उठाया जिससे इस तरह के मौकों का गलत लाभ उठाते हुए कालाबाजारी, जमाखोरी व इसी तरह के अन्य हथकण्डे अपनाने वालों पर सख्त कार्रवाई का संदेश दे दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि प्रदेश में किसी तरह की कोई कमी नहीं है इसलिए पैनीक होने की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही मुख्यसचिव वी. श्रीनिवास अपने अधिकारियों और जिलाधिकारियों से नियमित संवाद कायम कर व्यवस्था को चाकचोबंद किया जा रहा है। सबसे अधिक और महत्वपूर्ण कीसोशल मीडिया पर नजर रखने और भ्रांतियां फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दे दिए है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि युद्ध के हालात हमारी देन नहीं है। इसके साथ ही यह भी साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के अधिकांश देश एक-दूसरे पर निर्भर है। जहां तक कच्चे तेल, एलपीजी आदि की पूर्ति अधिकांश देशों द्वारा आयात करके ही की जाती है। हमारी भी बहुत कुछ स्थानीय मांग की पूर्ति आयात के माध्यम से ही होती है। ऐसे हालातों में भी केन्द्र सरकार की सराहना की जानी चाहिए कि हार्मुज जनडमरुमध्य के हालात आयात को प्रभावित करने के बावजूद कूटनीतिक प्रयासों से एलपीजी के मालवाहक जहाजों का आना शुरु हो चुका है। हांलाकि गैरजिम्मेदार लोगों ने एलपीजी के इन जहाजों को लेकर भी भ्रम फैलाने में कोई कमी नहीं छोडी। वे यह भूल गए कि यह विश्वव्यापी संकट का दौर है और दुनिया का कोई भी देश इन हालातों से अछूता नहीं हैं। जिस तरह से आंदोलन-प्रदर्शन और व्यक्तव्यों के माध्यम से लोगों में कृत्रिम कमी का माहौल बनाया जा रहा है और कालाबाजारी व जमाखोरों को अवसर दिलाया जा रहा है उसे किसी भी हालत में उचित नहीं कहा जा सकता है। बल्कि ऐसा लगता है कि जैसे इस तरह के तत्वों के सामने संकट के दौर में जो नैतिकता और देश के प्रति दायित्व होना चाहिए, उसे भूल चुके हैं।

देश और प्रदेश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, सीएनजी, पीएनजी के प्रर्याप्त भण्डार उपलब्ध है और सरकार निरंतर आपूर्ति बनाये रखने के प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रोएक्टिव रोल निभाते हुए ना केवल हालात की समीक्षा की, अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिए अपितु प्रदेशवासियों को भी विश्वास दिलाने का सार्थक कदम उठाया जिससे इस तरह के मौकों का गलत लाभ उठाते हुए कालाबाजारी, जमाखोरी व इसी तरह के अन्य हथकण्डे अपनाने वालों पर सख्त कार्रवाई का संदेश दे दिया है।

भूलना नहीं चाहिए कि यह वहीं भारत देश है जब लाल बहादुर शास्त्री के समय अन्न संकट आया तो एक आह्वान पर छोटे बडे सभी ने एक दिन सोमवार का व्रत रखना आरंभ कर दिया। पुरानी पीढ़ी के कुछ लोग आज भी उस आह्वान के चलते आज भी सोमवार का व्रत करते हुए मिल जाएंगे। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 1971 के बांग्लादेश के युद्ध के समय समूचा देश इन्दिरा गांधी के साथ एक स्वर में स्वर मिला रहा था। आज पता नहीं ऐसे हालात कैसे होने लगे हैं कि ऑपरेशन सिन्दुर या अन्य सैन्य गतिविधियों पर भी प्रश्न उठाये जाने लगे हैं। संभवत: दुनिया के किसी भी देश में इस तरह की बात नहीं होती होगी।

जहां तक एलपीजी की बात है तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक समय था जब एलपीजी कनेक्शन के लिए वर्षों इंतजार करना पडता था। सामान्य परिस्थितियों में भी सिलेण्डर प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से भी दो चार होना पडता था। धरातल पर देखेंगे तो हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज 31.3 मिलियन टन एलपीजी गैस की खपत है। देश में 31 करोड़ सक्रिय एलपीजी धरेलू कनेक्शन है। समूचे देश की बात की जाए तो प्रतिदिन ओसतन 50 से 60 लाख एलपीजी सिलेण्डर की आवश्यकता होती है। ऐसे में मांग और आपूर्ति बनाये रखना अपने आप में दुश्वर है पर हालिया संकट को अलग कर दिया जाए तो पिछले कुछ सालों से एलपीजी या पेट्रोल आदि को लेकर देश में किसी तरह का संकट देखने को नहीं मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा नियमित क्लोज मोनेटरिंग का ही परिणाम है कि प्रदेशवासियों में विश्वास बना है। गैस की बुकिंग से लेकर उपलब्धता को लेकर सारे संदेहों को दूर किया गया है। वितरण व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है और गैस एजेन्सियों व अन्य असामाजिक तत्वों पर क्रडी नजर रखी जा रही है। शादी-विवाह जैसे आयोजनों के लिए भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है वहीं अफवाहों और फर्जी खबरों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

सवाल साफ है कि विपरीत हालातों या यों कहें कि आपातकालीन हालातों में पूरे देशवासियों को एक होने की आवश्यकता व समस्या के समाधान में सहभागीय बनने की आवश्यकता होती है पर ऐसे समय में भी गैरजिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार निश्चित रुप से नहीं होना चाहिए। आखिर हम इस समाज के ही तत्व है। हमारे हित और समाज के हित एक है। केवल विरोध के नाम पर विरोध किसी भी हालत में उचित नहीं माना जा सकता। खैर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवदेनशीलता और उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने की सराहना की जानी चाहिए। सरकारी और गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आकर देशहित में एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी चाहिए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 26 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, आद्रा नक्षत्र सायं 4:19 तक, शोभन योग रात्रि 12:32 तक, बव करण दिन 11:49 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग सायं 4:19 से आरम्भ होगा। आज मंगल उदय पूर्व दिन 2:06 पर होगा। आज दुर्गाष्टमी, महाअष्टमी, अशोकाष्टमी है। आज श्री रामनवमी, अन्नपूर्णा पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 8:00 तक, चर 11:02 से 12:33 तक, लाभ अमृत 12:33 से 3:35 तक, शुभ 5:06 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 6:37

मेष
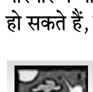

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में यात्रा संभव है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं, उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
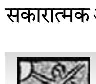

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
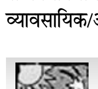

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा, धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
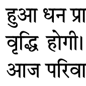

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आज परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
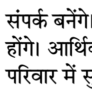

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर
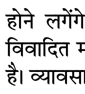

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मानसिक तनाव दूर होने लगेंगे। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
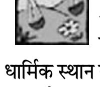

आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज धार्मिक कार्यों में समय व्यतीत हो सकता है।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मीन

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वाल्मीकीय रामायण में शासन प्रबंधन के सूत्र

रामनवमी विशेष.......

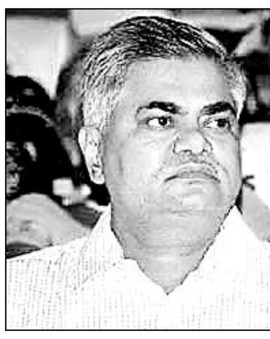

राजेश्वर सिंह

महाराज दशरथ द्वारा भरत को अयोध्या का राज्य तथा श्रीराम को चौदह वर्ष का वनवास दिए जाने के फलस्वरूप श्रीराम चित्रकूट में निवासरत थे। उन्हें वापस अयोध्या लाकर राज्याभिषक्त करने के लिए भरत ने सपरिवार, सकर्मिवृन्द, सनागरिक व ससैन्य चित्रकूट की यात्रा की। भरत व श्रीराम की मुलाकात के समय श्रीराम द्वारा गुरुजनों, परिवार, मन्त्रिगण, सेना, कोष, प्रजा, कृषि, वाणिज्य इत्यादि के संबंध में भरत से कतिपय प्रश्न किये गये। इन प्रश्नों की प्रकृति तथा इनमें निहित गूढ़ मन्तव्यों में ही श्रीराम का शासनादर्श स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है।

सर्वप्रथम श्रीराम भरत से मन्त्रिपरिषद के सदस्यों के व्यक्तिगत व व्यावसायिक गुणों के संबंध में पूछते हैं कि क्या भरत द्वारा नियुक्त मन्त्रिगण शूरवीर, शास्त्रज्ञ, जितेन्द्रिय तथा बाहरी चेष्टाओं से ही मन की बात समझ लेने वाले सुयोग्य व्यक्ति हैं? श्रीराम कहते हैं कि अच्छी मन्त्रणा ही राजा की सफलता का मूल कारण है। वह भी तभी सफल होती है, जब नीतिशास्त्र निपुण अमात्य उसे सर्वथा गुप्त रखें। राजा को किसी भी गूढ़ विषय पर न तो अकेले विचार करना चाहिए और न ही बहुत लोगों के साथ बैठकर मन्त्रणा करनी चाहिए। राजा के मन्त्रियों में यदि एक भी मेधावी, शूरवीर, चतुर एवं नीतिज्ञ हो तो वह राजा को बहुत बड़ी सफलता की प्राप्ति करा सकता है।

श्रीराम प्रधान, मध्यम एवं निम्न पदों पर कर्मियों को योग्यतानुसार नियुक्त करने की बात कहते हैं, साथ ही अत्यधिक कठोर दण्ड तथा अत्यधिक कठोर करारोपण का निषेध करते हैं। इसके अलावा वह कार्मिकों को निर्धारित किया हुआ समुचित वेतन व भत्ता भी समय पर देने की बात करते हैं ताकि असंतोष व्याप्त न हो और अनिष्ट कारित न हो। श्री राम स्वपक्ष व शत्रु पक्ष के अधिकारियों व कर्मचारियों की गतिविधियों पर दृष्टि रखने के लिए गुप्तचर व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की बात भी कहते हैं।

श्रीराम कृषि तथा व्यापार से आजीविका चलाने वाले लोगों की कुशलता की जानकारी भी प्राप्त करते हैं क्योंकि उनके मतानुसार कृषि व व्यापार की उन्नति ही सम्पूर्ण राज्य के सुख एवं उन्नित की कारक है। श्रीराम राज्य की आय के संबंध में भी जानकारी प्राप्त करते हैं तथा यह मत भी व्यक्त करते हैं कि राज्य की आय अधिक व व्यय कम होना चाहिए। दण्ड विधान के संबंध में श्रीराम का मत यह है कि दोषारोपित व्यक्ति के संबंध में शास्त्रज्ञान में कुशल विद्वानों द्वारा समुचित विचार-विमर्श के उपरान्त ही दण्ड का निर्धारण होना चाहिए। श्रेष्ठ, निर्दोष और शुद्धात्मा को दण्ड नहीं मिलना चाहिए तथा दोषसिद्ध को अवश्य दण्ड मिलना चाहिए। धनी व निर्धन के बीच में विवाद हो तो भी निष्पक्ष व निर्दोष न्याय किया जाना चाहिए।

उक्त प्रसंग में ही श्रीराम ने राजाओं के चौदह दोष भी गिनाए हैं, और भरत को उक्त चौदह दोषों से दूर रहने के लिए कहा है। उक्त चौदह दोष निम्नानुसार हैं- नास्तिकता, असत्य भाषण, क्रोध, प्रमाद, दीर्घसूत्रता, ज्ञानी पुरुषों का संग न करना, आलस्य, नेत्र आदि पाँचों इन्द्रियों के वशीभूत होना, राजकार्य के विषय में अकेले ही विचार करना, प्रयोजन को न समझने वाले विपरीतदर्शी मूर्खों से सलाह लेना, निश्चित किए हुए कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ न करना, गुप्त मंत्रणाओं को सुरक्षित न रखकर प्रकट कर देना, मांगलिक आदि कार्यों का अनुष्ठान न करना तथा सभी शत्रुओं पर एक साथ चढ़ाई कर देना।

उक्त प्रसंग में ही श्री राम कामजनित दश दोषों यथा आखेट, जुआ, दिन मे सोना, दूसरों की निंदा करना स्त्री में आसक्त होना, मद्यपान, नाचना, गाना, बाजा बजाना और व्यर्थ घूमना इत्यादि को राजा के लिए त्याज्य बताते हैं। राजा, मंत्री, राष्ट्र, किला, कोष, सेना व मित्र वर्ग को श्रीराम सप्तवर्ग कहते हैं और इन्हें राज्य का अनिवार्य अंग मानते हुए इन पर निरन्तर ध्यान देने के लिए कहते हैं।

इसी प्रकार खेती की उन्नित करना, व्यापार को बढ़ाना, दुर्ग बनाना, पुल निर्माण करना, जंगल से हाथी पकड़कर मंगवाना, खानों पर अधिकार प्राप्त करना, अधीन राजाओं से कर प्राप्त करना और निर्जन क्षेत्र को आबाद करना राजा के लिए उपादेय आठ गुण हैं, जिन्हें श्रीराम अष्टवर्ग कहते हैं और भरत से इनकी पालना के लिए कहते हैं। आग लगना, बाढ़ आना, बीमारी फैलना, अकाल पड़ना और महामारी का प्रकोप होने को श्रीराम दैवीबाधा कहते हैं, और राज्य के अधिकारियों, चोरों, शत्रुओं, राजा के प्रिय व्यक्तियों व स्वयं राजा के लोभ से जो भय व्याप्त होता है उसे मानव निर्मित बाधा कहते हैं । इन दोनों तरह की बाधाओं का मुकाबला राजा को सतर्कता व युक्तिपूर्वक करना चाहिए। राष्ट्र की सुरक्षा में विदेश नीति के संबंध में श्रीराम द्वारा भरत को दिया गया उपदेश भी सार्वकालिक दृष्टि से समीचीन प्रतीत होता है। संधि, विठाह, यान, आसन, द्वैधीभाव व समाश्रय राष्ट्र रक्षा नीति व विदेश नीति के आवश्यक अंग हैं । इनमें शत्रु से मेल रखना सन्धि, उससे लड़ाई छेड़ना विग्रह, आक्रमण करना, यान, अवसर की प्रतीक्षा में बैठे रहना आसन, दुरंगी नीति बरतना द्वैधीभाव और अपने से बलवान राजा की शरण लेना समाश्रय कहलाता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि श्रीराम के द्वारा उपदिष्ट शासन प्रबंधन के उपर्युक्त सूत्र समकालीन परिप्रेक्ष्य में भी पूर्णतया प्रासंगिक व सुसंगत हैं। इन सूत्रों का विस्तार, व्यापकता गूढ़ता, गहनता व इनमें सन्निहित राष्ट्र व जन की सुरक्षा, संरक्षा व कल्याण की उदात्त भावना व पवित्र उद्देश्य सर्वथा आश्चर्यचकित कर देने वाला है। शासक वर्ग को आत्मोन्मुख होकर सदा सर्वदा इन प्रश्नों का उत्तरदायी होने का प्रयास करना चाहिए ताकि उन्हें यह पता चल सके कि उनका शासन तंत्र योग्यता, निष्पक्षता, नियमबद्धता, न्याय, जनकल्याण तथा सर्वतोमुखी विकास की शाश्ववत व सनातन कसौटियों पर खरा उतरने में सक्षम है अथवा नहीं? श्रीराम के ये प्रश्न राजनीति शास्त्र व लोकप्रशासन की अमूल्य धरोहर हैं और इनके उत्तर में ही राम राज्य की सम्पूर्ण संकल्पना सन्निहित है।

–राजेश्वर सिंह,
राज्य निर्वाचन आयुक्त,
राजस्थान

वैश्विक तनाव के दौर में भारत की संतुलित विदेश नीति

मदन प्रजापत

आज की दुनिया तेजी से बदल रही है और वैश्विक राजनीति पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई है। अलग-अलग देशों के बीच संघर्ष, युद्ध और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है। यूरोप में रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में बढ़ते संघर्ष, अमेरिका और चीन के बीच शक्ति संतुलन की प्रतिस्पर्धा और हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने पूरी दुनिया को अस्थिर बना दिया है। इन परिस्थितियों में लगभग हर देश किसी न किसी पक्ष के साथ खड़ा दिखाई देता है। लेकिन भारत एक अलग और संतुलित नीति अपनाते हुए लगभग सभी देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। यही भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता है।

भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत संतुलन और रणनीतिक स्वायत्तता है। इसका अर्थ है कि भारत किसी एक शक्ति-गुट के साथ पूरी तरह जुड़ने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र निर्णय लेता है। यह नीति नई नहीं है। आज़ादी के बाद से ही भारत ने गुटनिरपेक्षता (-) की नीति अपनाई थी। उस समय शीत युद्ध के दौरान दुनिया दो बड़े गुटों-अमेरिका और सोवियत संघ-में बंटी हुई थी, लेकिन भारत ने दोनों के साथ संबंध बनाए रखे। आज भी वही सोच आधुनिक रूप में दिखाई देती है।

हाल के वर्षों में दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष बढ़े हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका एक बड़ा उदाहरण है। पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए, जबकि कई देशों को यह तय करना पड़ा कि वे किस पक्ष का समर्थन करें। भारत ने इस स्थिति में संतुलित रुख अपनाया। भारत ने युद्ध को समाप्त करने और शांति वार्ता की आवश्यकता पर जोर दिया, लेकिन साथ ही रूस के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा और ऊर्जा संबंधों को भी बनाए रखा। भारत के लिए रूस एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार रहा है, जबकि अमेरिका और यूरोपीय देश भारत के प्रमुख व्यापार और तकनीकी सहयोगी हैं। इसलिए भारत ने किसी एक पक्ष के साथ पूरी तरह खड़े होने के बजाय दोनों के साथ संवाद बनाए रखा। इसी तरह, मध्य-पूर्व में भी भारत की विदेश नीति संतुलित दिखाई देती है। भारत के संबंध सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इज़राइल और ईरान-सभी देशों के साथ अच्छे हैं। यह एक बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि मानी जाती है क्योंकि इन देशों के आपसी संबंध कई बार तनावपूर्ण रहे हैं।

हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। 2026 में अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर सैन्य हमलों के बाद क्षेत्र में संघर्ष तेज हो गया और ईरान ने जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पूरे मध्य-पूर्व में अस्थिरता बढ़ गई। इस संघर्ष का असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। फारस की खाड़ी में स्थित स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ दुनिया के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति प्रभावित हुई और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई।

ऐसे तनावपूर्ण माहौल में भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अमेरिका और ईरान दोनों के साथ अपने संबंध बनाए रखे। अमेरिका भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक साझेदार है, जबकि ईरान भारत के लिए ऊर्जा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए भारत लगातार शांति, संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान की बात करता रहा है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी वैश्विक राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। चीन एशिया और वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जबकि अमेरिका इसे संतुलित करने के लिए कई रणनीतिक कदम उठा रहा है। भारत इस परिस्थिति में भी संतुलन की नीति अपनाता है। भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग करता है, जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन के साथ भी मौजूद रहता है, जैसे ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन।

भारत की विदेश नीति का एक और महत्वपूर्ण पहलू है बहुपक्षीय सहयोग। भारत संयुक्त राष्ट्र, जी-20 और ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाता है। हाल के वर्षों में भारत ने विशेष रूप से विकासशील देशों यानी ग्लोबल साउथ की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत भी उसकी विदेश नीति को मजबूत बनाती है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के कारण आज भारत वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। व्यापार, निवेश, तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में भारत कई देशों के लिए एक भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इसके साथ ही भारत की मानवीय और सांस्कृतिक छवि भी उसकी विदेश नीति को मजबूत बनाती है। भारत हमेशा शांति, सह-अस्तित्व और सहयोग की बात करता रहा है। संकट के समय कई देशों को भारत ने सहायता भी प्रदान की है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत द्वारा कई देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराना इसका एक उदाहरण है। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ती सैन्य प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अनिश्चितता और तकनीकी प्रतिस्पर्धा भविष्य में और जटिल परिस्थितियां पैदा कर सकती हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और एशिया में बढ़ते तनाव जैसे मुद्दे आने वाले समय में वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते रहेंगे। इन सबके बीच भारत की विदेश नीति का सबसे बड़ा लक्ष्य यही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए दुनिया के विभिन्न देशों के साथ संतुलित और सहयोगात्मक संबंध बनाए रखे।

अंत में यह कहा जा सकता है कि आज जब दुनिया कई संघर्षों और विभाजनों से गुजर रही है, तब भारत ने एक ऐसा रास्ता चुना है जो संवाद, संतुलन और कूटनीति पर आधारित है। यही कारण है कि भारत आज लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ मित्रतापूर्ण संबंध बनाए रखने में सफल रहा है। भविष्य में भी यदि भारत इसी संतुलित और दूरदर्शी नीति को जारी रखता है, तो वह न केवल अपने हितों की रक्षा करेगा बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

–मदन प्रजापत,
(भाजपा प्रदेश प्रवक्ता)

अतीत, वर्तमान और भविष्य को साथ लेकर चलने का उत्सव बना "राजस्थान दिवस"

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल से प्रदेश की विरासत, अवसरों एवं संभावनाओं का परिचायक बना आयोजन

हेमेन्द्र सिंह

भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नववर्ष के साथ ही नव चेतना एवं नव आरंभ का प्रतीक माना जाता है। इसी पावन बेला पर रेवती नक्षत्र एवं इंद्रयोग में 30 मार्च, 1949 को देश के पहले गृहमंत्री लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता से नए राजस्थान की सुदृढ़ नींव रखी गई। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष 2025 में इस गौरवशाली परंपरा को पुनर्थापित करते हुए 30 मार्च के स्थान पर चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही राजस्थान दिवस मनाए जाने की शुरूआत की।

राजस्थान ने इस बार नव संवत्सर वि.सं. 2083 की चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (19 मार्च) को प्रदेश की विरासत, अवसर एवं संभावनाओं के परिचायक के रूप में अपना स्थापना दिवस मनाया। राज्य सरकार द्वारा इस विशेष दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 19 मार्च तक आयोजित कार्यक्रमों ने एक ओर जहां प्रदेश के गौरवशाली अतीत को प्रभावी ढंग से संरक्षित और पुनर्स्थापित करने का काम किया, वहीं दूसरी ओर जनकल्याणकारी कार्यों से खुशहाल वर्तमान एवं सुनहरे भविष्य के प्रति आश्वस्त भी किया।

अतीत: जड़ों से जुड़ाव, परंपरा एवं संस्कृति की सशक्त अभिव्यक्ति : राजस्थान दिवस 2026 के आयोजनों में प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को केंद्र में रखते हुए परंपरा को नए संदर्भों में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 मार्च को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में 'राजस्थान उत्सव 2026' का शुभारंभ किया। इस आयोजन ने प्रदेश की लोककला, हस्तशिल्प, लोक संगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक व्यंजनों की समृद्ध झलक को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। वहीं, 19 मार्च को आयोजित राज्य स्तरीय एवं जिला स्तरीय भव्य सांस्कृतिक संध्या इस विरासत का चरम रूप रही, जहां लोक कलाकारों ने राजस्थान की जीवंत परंपराओं को साकार किया।

राजस्थान दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति में जयपुर के गोविंददेव जी मंदिर में आयोजित महाआरती और प्रदेशभर के राजकीय मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक ने प्रदेशवासियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम किया। इसी तरह ज्ञान, तकनीक और नवाचार पर आधारित राजस्थान को जानें डिजिटल क्विज के माध्यम से युवाओं एवं नागरिकों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास एवं कला-संस्कृति से रूबरू होने का अवसर मिला।

वर्तमान: सामाजिक सरोकार, सुशासन और समावेशी विकास को नई दिशा : राज्य सरकार ने इन कार्यक्रमों में सामाजिक सरोकारों के साथ ही वर्तमान की दृष्टि से जनकल्याण, सुशासन और समावेशी विकास को प्राथमिकता दी। मुख्यमंत्री ने 14 मार्च को स्वच्छता संकल्प एवं जागरूकता कार्यक्रम में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा 15 मार्च को राज्य स्तरीय 'विकसित राजस्थान रन-2026' में सहभागिता कर युवाओं को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन शैली अपनाने का आव्हान किया। इसी कड़ी में 16 मार्च को डूंगरपुर के बेणेश्वर धाम में मनाए गए राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनजातीय क्षेत्रों को 1 हजार 902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास की सौगात दी। वहीं, उन्होंने 19 मार्च को राजस्थान रोडवेज की 207 नवीन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

भविष्य: नव शक्ति, निवेश एवं नवाचार की आधारशिला

भविष्य के कर्णधार युवाओं को नई दिशा देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राज्य सरकार ने 17 मार्च को राजस्थान युवा शक्ति दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और खेल से जुड़े 485 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने 403 स्टार्टअप्स को वायबिलिटी गैप का 1 हजार 145 लाख रुपये का फंड का वितरण किया तथा 9 हजार 432 युवाओं को कौशल उन्नयन प्रमाण पत्र भी सौंपे। राजस्थान को औद्योगिक और तकनीकी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री ने 18 मार्च को उद्यमी संवाद समारोह में इंडस्ट्रियल पार्क प्रमोशन पॉलिसी, राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस और राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी का अनावरण किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से रीको औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास से जुड़े 119 करोड़ रुपये लागत के 40 कार्यों का लोकार्पण और 226 करोड़ रुपये के 46 कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार और विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र तथा जोधपुर-पाली-मारवाड़ और बूढ़ी बावल औद्योगिक क्षेत्रों के आरक्षण पत्र सहित लीज डीड और अलॉटमेंट लेटर भी प्रदान किए गए। शर्मा ने राजस्थान दिवस के अवसर पर 19 मार्च को नई पहल करते हुए 'मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान' का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों के विकास के लिए स्थानीय लोगों से सुझाव लेते हुए भविष्य की आवश्यकता के अनुसार मास्टर प्लान तैयार करना है, जो कि विकास की अवधारणा को विकेंद्रीकृत, जन सहभागिता और साक्ष्य-आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन आयोजनों की श्रृंखला में राज्य सरकार ने प्रदेश की समृद्ध विरासत को सहेजते हुए विकास यात्रा को गति दी और युवा शक्ति के माध्यम से भविष्य के सशक्त राजस्थान का स्पष्ट खाका प्रस्तुत किया। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि भविष्य का नया राजस्थान अपनी संस्कृति एवं परंपराओं पर गर्व की अनुभूति करने के साथ ही आधुनिक तकनीक, निवेश, कौशल और नवाचार के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं विकसित राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है।

–हेमेन्द्र सिंह,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी,
डीआईपीआर

सेलिब्रेशन मॉल के समीप हुई चेन स्नेचिंग के मामले में दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गत 18 मार्च को सेलिब्रेशन मॉल के समीप एक वृद्धा के साथ हुई चेन स्नेचिंग के मामले का सुखेर थाना पुलिस ने पटाक्षेप करते हुए चेन स्नेचरों को ऋषभदेव के जंगलों से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दोनों ही चेन स्नेचर नशे में थे। इस दौरान पुलिस को देखकर भागते हुए बदमाश चोटिल भी हो गए। पुलिस टीम ने बदमाशों को पकड़ने के लिए करीब 500 सीसीटीवी कैमरे खंगाले और अहमदबाद तक दबिशें दी थी।

सुखेर थाना पुलिस के अनुसार गत 18 मार्च को हैण्डीक्राफ्ट व्यवसायी राकेश जैन की माता 70 वर्षीय रूप कंवर जैन पत्नी महावीर प्रसाद जैन निवासी हितावाला टावर सेलिब्रेशन के समीप पैदल शांतिनाथ मंदिर भुवाणा दर्शन करने गई और वहां से वापस लौटने के दौरान सेलिब्रेशन मॉल के समीप एक बाइक पर दो बदमाश आए। इनमें से एक बाइक पर सवार रहा वहीं दूसरा वृद्धा के गले पर झपट्टा मारने लगा और इस दौरान वृद्धा ने बदमाश से मुकाबला भी किया लेकिन फिर भी बदमाश वृद्धा के गले से चेन झपट कर बाइक पर अपने साथी के साथ फरार हो गया।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में सुखेर थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में जिला स्पेशल टीम प्रभारी विक्रमसिंह मय टीम ने पीडिता से की गई पूछताछ एवं मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर तलाश शुरू करने के दौरान आरोपियों पर 10-10 हजार रूपये इनाम की घोषणा की। इस दौरान पुलिस ने करीब 500 सीसीटीवी केमरों की जांच पड़ताल में मिले साक्ष्यों के आधार पर सलुम्बर, डूंगरपुर व अहमदाबाद की तरफ दबीशे दी। इस दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर प्रभूलाल उर्फ प्रकाश पुत्र जीवा निवासी कोजावाड़ा ऋषभदेव हाल बनजारीया खेरवाड़ा तथा तरूण उर्फ सिकन्दर पुत्र जीवतराम उर्फ लखमा निवासी कलावत बिलख ऋषभदेव को ऋषभदेव की पहाड़ियों से गिरफ्तार किया। इस दौरान भागने के प्रयास में गिरने पर दोनों चोटिल हुए। आरोपी प्रभूलाल के खिलाफ एवं तरूण के खिलाफ पूर्व में भी अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। वहीं तरूण सलूम्बर जिले के वांछित अपराधी भी है। तरूण गुजरात में लूट के मामले में अहमदाबाद जेल में बंद रहा है। तरूण शहर में रहते हुए अपने फूफा के प्रभूलाल के साथ मिल कर वारदात करने के लिए अहमदाबाद से स्पोर्ट्स बाईक चोरी की। प्रभूलाल बाइक चलाता पीछे तरूण बैठता एवं सवेरे सेवेरे मंदिरों के आस पास रैकी करते एवं शिकार नजर आने पर वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते। प्रभूलाल मुंह के केंसर रोग से पीडित है तथा उसके तीन पत्नीयां है जो सागवाड़ा, डुगरपुर एवं खेरवाड़ा में अलग अलग रहती है।

इधर, जिला पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने कहा कि शहर में चोरी छिपे वारदात कर भागने वाला बदमाश हर हाल में पकड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस एवं शहर पुलिस शहर वासियों के साथ खड़ी है तथा उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

आभूषण चोर नौकर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के घंटाघर थाना पुलिस ने ज्वलर्स शॉप से आभूषण चोरी करने वाले नौकर को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीडित फतेहलाल सोनी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी मोती चोहट्टा में आशा ज्वेलर्स के नाम से दुकान है तािा दुकान पर भंवरलाल नौकरी करता है जो मेरी अनुपस्थिति में 2 किलों चांदी के जेवर चुरा ले गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में घंटाघर थानाधिकारी कर्मवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए भंवरलाल पुत्र सोहन निवासी नीमच खेड़ी अम्बामाता को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने वारदात करना स्वीकार किया।

जिला कलेक्टर ने ली पेट्रोलियम गैस कंपनियों की बैठक

■ पीएनजी कार्यों की प्रगति की समीक्षा, सड़कों की खुदाई से संबंधित दिए निर्देश

उदयपुर, (कासं)। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने बुधवार को पेट्रोलियम गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में शहर में चल रहे पाइपलाइन गैस (पीएनजी) कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने से जुड़े कार्यों, निगम से मिलने वाली एनओसी तथा कार्यों में आ रही विभिन्न बाधाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर पाइप्ड गैस लाइन (पीएनजी) से जोड़ा जाए, जिससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल सके और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हो।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने शहर में पाइपलाइन बिछाने के कार्यों के चलते क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के संबंध में भी समीक्षा की और संबंधित निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे शीघ्रता से सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने हाल ही में निर्मित सड़कों को नुकसान से बचाने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर नमित मेहता ने स्पष्ट किया कि बिना आपसी समन्वय के किसी भी संस्था या एजेंसी द्वारा सड़कों की खुदाई नहीं की जाए। सभी विभागों और एजेंसियों को समन्वय स्थापित कर कार्य करने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गैस कनेक्शन प्राप्त घरेलू उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन देने में प्राथमिकता दी जाए और इसके प्रति जागरूकताब?ाई ॐ?द्धॐ जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। बैठक में यूडीए आयुक्त राहुल जैन, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, डीएसओ प्रथम सृष्टि डबास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वॉश नष्ट, हथकड़ अवैध शराब जब्त

उदयपुर, (कासं)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी निरोधक दलों द्वारा गश्त, नाकाबंदी एवं दबिश की कार्वाई करते हुए हजारों लीटर वॉश, भट्टियां नष्ट करते हुए अवैध मदिरा को जब्त किया गया।

आबकारी आयुक्त श्री नकाते के निर्देशानुसार अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन अनिल कुमार शर्मा के सुपरविजन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। हनुमानगढ़ जिले में आबकारी थाना हनुमानगढ़ एवं संगरिया ने संयुक्त कार्रवाई कार्रवाई करते हुए पन्नीवाली, फतेहपुर, अमरपुरा थेड़ी में 1200 लीटर वॉश नष्ट किया। चुरू में आबकारी निरोधक दल ने 82 पव्वे देशी मदिरा एवं 12 लीटर अवैध हथकड शराब जब्त की। नागौर के परबतसर में पड़त दुकानों के क्षेत्र में दबिश की कार्वाई कर 500 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 10 लीटर हथकड शराब बरामद की। मौके पर 2 अभियोग दर्ज किए। चित्तौड़गढ़ जिले में आबकारी थाना क्षेत्र निम्बाहेडा में नाकाबंदी के दौरान ईको वेन से देशी मदिरा सादा के 8 कार्टन, देशी मदिरा लॉयन सादा के 4 कार्टन, बीयर टुबोर्ग स्ट्रोंग प्रिमियम के 2 कार्टन सहित 14 कार्टन शराब एव बीयर बरामद कर वाहन चालक पुसलाल प्रजापत के विरूद्ध अभियोग दर्ज किया गया। इस संबंध में अठिम कार्रवाई की जा रही है। बांसवाड़ा जिले में आबकारी थाना क्षेत्र बांसवाड़ा व कुशलगढ़ में दबिश की कार्वाई में 3 हजार लीटर महुवा वॉश नष्ट किया गया। मौके से 48 बोतल अवैध हथकड शराब जब्त कर 4 अभियोग दर्ज किए। इसी प्रकार प्रदेश में अन्य जिलों में भी आबकारी निरोधक दलों द्वारा नाकाबंदी, गश्त एवं दबिश की कार्वाई कर अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर कार्रवाई की जा रही है।

कार्यवाही की मांग

उदयपुर, (कासं)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में काकोरी के शहीद पंडित राम प्रसाद श्बिस्मिलश्ए अशफाक उल्ला खान और ठाकुर रोशन सिंह की मूर्तियां तोडकर कचरे में फेंकने वाले अधिकारियों व नेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने और ससम्मान तीनों क्रांतिकारियों की भव्य मूर्तियां लगाने की मांग को लेकर शहादत दिवस समारोह समिति ने बुधवार को जिला कलेक्टर के मार्फत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ज्ञापन भेजा। शहादत दिवस समारोह समिति के सचिव डी.एस. पालीवाल ने बताया कि भगतसिंह, सुखदेव व राजगुरु के शहादत दिवस की भोर में नगर सौंदरीयकरण के नाम पर काकोरी के तीनों शहीदों की मूर्तियों को तोडकर कचरे में फेंक दिया गया जिससे पूरे देश में रोष है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म मैसर्स खेमचंद देवकिशन, पता-रेल्वे स्टेशन के पास, तहसील-निम्बाहेड़ा, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.) कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस जिला उद्योग केन्द्र चित्तौड़गढ़ (राज.) में जरिए रजिस्ट्रेशन नम्बर- FIRM REG NO:- 1754/83 दिनांक- 02/05/1983 Form-A/OFFLINE/2024/48656 दिनांक- 09-06-2025 से भागीदारी फर्म में पंजीकृत है यह कि (i) श्रीमती धापु बाई मृत्यु दिनांक 10.11.1995 से व (ii) श्री देवकिशन नगरिया मृत्यु दिनांक 10.02.1999 से रिटायर हो गये है भागीदारी फर्म दिनांक 10.02.1999 को विघटित हो गई है। इस संबंध में भागीदार व वारिसेन के मध्य किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है। किसी को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के अंदर रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस चित्तौड़गढ़ में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

इति दिनांक:-

जरिये- श्रीमती चंद्रकला नगरिया (भागीदार)

वास्ते- मैसर्स खेमचंद देवकिशन, पता- रेल्वे स्टेशन के पास, तहसील- निम्बाहेड़ा, जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने दिया ज्ञापन

बांसवाड़ा, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिलाध्यक्ष दिनेश मईड़ा और संभाग संगठन मंत्री दिलीप पाठक के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर शिक्षा निदेशक के आदेशानुसार केवल 30 प्रतिशत शैक्षिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने की मांग की।

जिलाध्यक्ष दिनेश मईड़ा ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा निदेशक के आदेशानुसार विद्यालय शिक्षा के केवल 30 प्रतिशत शैक्षिक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर और शिक्षा सचिव की सहमति से निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने आदेश जारी कर इसके साथ ही जिस भी विद्यालय में एकल शिक्षक अथवा दो ही शिक्षक कार्यरत हैं उन्हें जनगणना में प्रगणक कार्य से मुक्त रखा जाए। जिला मीडिया संयोजक जनक भट्ट ने बताया कि संगठन के संभाग संगठन मंत्री दिलीप पाठक ने कहा कि उप खण्ड अधिकारी बाँसवाड़ा के आदेशानुसार शहरी क्षेत्र के अधिकांश विद्यालयों के सम्पूर्ण स्टॉफ की ड्यूटी जनगणना में प्रगणक/पर्यवेक्षक के रूप में लगा दी गई है। इस समय विद्यालय में परीक्षा परिणाम, निशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण, प्रवेशोत्सव और अध्यापन कार्य चल रहा है। एक अप्रैल से नया सत्र शुरू हो राह हैं जिसमें विद्यालय में प्रवेशोत्सव और अध्यापन कार्य चलेंगे। सभी स्टॉफ के ड्यूटी जनगणना में लगने से विद्यालय प्रबंधन बुरी तरीके से प्रभावित होगी। ऐसी परिस्थितियों में विद्यालय का कार्य बाधित होने की पूर्ण संभावना है।

मकान हड़पने का आरोप

डूंगरपुर, (निसं)। इन्दिरा कॉलोनी सागवाडा निवासी एक बेवा कमरून्निशा पत्नी अब्दुल लतिफ पिंजारा ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौपकर बताया कि उसका पुत्र एवं पुत्रवधु मिलकर उसके स्वामित्व के मकान को हडप कर उसे घर से बेदखल करने की कौशिश कर रहे है। जिसको लेकर बेवा ने पुलिस अधीक्षक से न्याय दिलाने की मांग की है। प्रार्थिया ने अपने ज्ञापन में बताया कि सागवाडा के इन्दिरा कॉलोनी में निवासरत है। तथा वह 1979 से कानोड निवासी मुबारिक हुसैन पिंजारा के साथ निकाह हुआ था और उससे दो पुत्र हुए थे, लेकिन क्लेश के कारण अपने पिता के घर सागवाडा रहकर मेहनत मजदूरी कर बच्चों को पढाया, लेकिन कुछ समय पश्चात बच्चों के पिता द्वारा बच्चो को लेकर चला गया। और वह अकेली रह गई लेकिन उसने मेहनत मजदूरी कर अपना जीवन यापन शुरू किया।

उदयपुर में पेंशनर्स ने किया प्रदर्शन

उदयपुर, (कासं)। पेंशनर्स आधिनियम 2025 को वापस लेने की मांग को लेकर सैंकड़ों बुजुर्गो ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा।

उदयपुर में जिला कलेक्ट्रेट पर बुधवार को बुजुर्गो का गुस्सा फूट पडा। तपती धूप में भी बडी संख्या में पेंशनर्स इकट्ठा हुए और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हाथ में तख्तियां और चेहरों पर नाराजगी जाहिर कर रहे बुजुर्गो का कहना था कि सरकार अब उनके बुढापे की लाठी छीनने की कोशिश कर रही है। राजस्थान पेंशनर समाज के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के आा ान पर उदयपुर में भी आज श्काला दिवसश् मनाया गया। दरअसल इन बुजुर्गो के विरोध का मुख्य कारण नया वैद्यता अधिनियम 2025 है। पेंशनर्स इसे अपने हक पर डाका मान रहे हैं। जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे बुजुर्गो ने साफ कहा कि यह कानून पेंशनर्स के बीच दीवार खडी कर रहा है। जो लोग पहले रिटायर हो चुके हैं उन्हें नए नियमों की वजह से पूरा फायदा नहीं मिलेगा।

अगर आंकडों की बात करें तो राजस्थान में करीब 5 लाख से ज्यादा पेंशनर्स हैं। इनमें से उदयपुर जिले में ही हजारों की संख्या में बुजुर्ग इस कानून की जद में आ रहे हैं। अगर यह कानून पूरी तरह लागू होता है तो प्रदेश के इन 5 लाख से ज्यादा परिवारों की आर्थिक स्थिति पर सीधा असर पडेगा। खासकर उन बुजुर्गो को सबसे ज्यादा नुकसान होगा जो 70 साल की उम्र पार कर चुके हैं और बढती महंगाई के बीच पेंशन के भरोसे अपना घर चला रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान मंत्री बाबूलाल जैन और अन्य वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद रहे।पेंशनर्स ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने उनकी मांगें नहीं मानी और इस श्काले कानूनश् को वापस नहीं लिया तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और तेज होगा। बुजुर्गो का कहना है कि वो आखिरी दम तक अपने हक की लडाई लडेंगे।

DIRECTORATE OF RESEARCH

Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur

No. MPUAT/DR/2026/5842 Date: 25/03/2026

ADVERTISEMENT FOR RECRUITMENT

A walk-in-Interview to engage contractual SRF in the Research Projects as per the advertisement given on University website http://mpuat.ac.in will be held at DOR, Udaipur on 02.04.2026 at 11:00 AM. The engagement shall be purely on contractual basis and can be terminated at any time without any notice.

Sd/-
Director Research

उदयपुर कलेक्ट्रेट में बिना हेलमेट प्रवेश निषेध

■ चौपहिया वाहन चलाने वालों के लिए सीट बेल्ट जरूरी

उदयपुर, (कासं)। एसपी अमृता दुहन के निर्देश पर बुधवार से जिला कलेक्ट्रेट में दोपहिया वाहन पर बिना हेलमेट और चारपहिया में बिना सीट बेल्ट वाहन चालकों को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया।

उदयपुर में नए एसपी के आने साथ ही पहले सप्ताह में यातयात नियमों में भी सख्ती शुरू हो गई है। एसपी अमृता दुहन के निर्देश पर बुधवार से दोपहिया वाहन पर बिना हेलमेट और चारपहिया में बिना सीट बेल्ट वाहन चालकों को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया।सख्ती के पहले ही दिन कलेक्ट्रेट के बाहर मेन गेट पर पुलिसकर्मी जवान तैनात रहे और आने.जाने वालों को रोककर समझाइश की। पुलिसकर्मियों ने कई लोगों को मौके पर ही हेलमेट पहनने और सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया। नियमों की अनदेखी करने वालों को स्पष्ट कर दिया गया कि बिना सुरक्षा उपाय अपनाए अंदर जाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

एसपी अमृता दुहन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य हादसों में कमी और ट्रैफिक की व्यवस्थाओं को सुधारना हमारी प्राथमिकता और मकसद है। यह शुरूआत हमारे ऑफिस से कर रहे हैं ताकि सरकारी कर्मचारी और यहां आने वाले लोग समझ पाए। सब लोग हेमलेट पहनना सनिश्चित करें। इसके बाद पूरे शहर में इसे लागू किया जाएगा। एसपी दुहन ने कहा कि पहले इसके लिए हम लोग जागरूकता बढाने की कोशिश कर रहे है। उदयपुर में दुनिया भर से आने वाले टूरिरस्ट के लिए हम बेहतर व्यवस्था बनाने की कोशिश भी करेंगे।

पंचदेवरिया में श्रीराम यज्ञ आज

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के पंचदेवरिया क्षेत्र में श्री बजरंगबली प्रचार समिति के तत्वावधान में आयोजित नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर समिति व्यवस्थापक पंडित पवन कुमार सुखवाल ने बताया कि प्रात: 9बजे 21 जोडों द्वारा वैदिक विधि.विधान के साथ श्री राम यज्ञ का शुभारंभ होगा।उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति की जाएगी। इस पावन अवसर पर श्री राम दरबार को विशेष रूप से पीतांबर धारण कराया गया है वहीं श्री बालाजी महाराज को मखमली वस्त्रए रजत छत्र,कुंडल एवं चंवर से अलंकृत किया गया है जिससे मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत वातावरण बना हुआ है।

कार्यक्रम के तहत दोपहर गुरुवार दोपहर 12.30 बजे 21 आतिशी तोपों की सलामी के साथ श्री रामलीला की भव्य महाआरती आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात श्रद्धालुओं में पंजरी का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

अष्टमी पर हुए विविध अनुष्ठान

डूंगरपुर, (निसं)। चैत्र नवरात्रि के तहत बुधवार को अष्टमी पर जिले भर के शक्तिपीठों स्थलों पर विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। तथा कई स्थानों पर मेले भी भरे गये। बुधवार को दिन भर शक्तिपीठों स्थलों पर श्रद्वालुओं की खासी भीड़ रही।

वहीं गुरूवार को रामनवमी का पर्व परम्परागत हर्षोल्लास के तहत मनाया जायेगा जिसके तहत रामबोला मठ में चल रहे चैत्र नवरात्रि अनुष्ठान की पूर्णाहुर्ति होगी। तथा विविध धार्मिक अनुष्ठान होंगे। वही रामोत्सव आयोजन समिति के तत्वावधान में विशाल शोभायात्रा निकाली जायेगी जिसको लेकर शहर को दुल्हन की तरह भगवे रंग में रंगा गया है। साथ ही गेपसागर की पाल पर धर्म सभा का भी आयोजन होगा। जिसको तैयारियों को भी विभिन्न संगठन अन्तिम रूप देने में जुटे हुए है। गुरूवार को शोभायात्रा बादल महल शास्त्री कॉलोनी से रवाना होकर निकाली जायेगी जो कि शहर के विभिन्न मार्गो से होकर गुजरेगी। इस दौरान 5० फीट लम्बी रंगोली भी बनाई गई है।

अष्टमी के तहत शहर के न्यू कॉलोनी, पुलिस लाईन, हाउसीग बोर्ड, कंसारा चौक, दर्जीवाडा, फौज का बडला स्थित देवी प्रतिमाओं की मनोहारी श्रृंगार भी किये गये तथा दर्शनार्थ धर्मप्रेमी उमडे। साथ ही जिले के शक्तिपीठ स्थल आशापुरा, विजवामाता, शितलामाता गलियाकोट आदि स्थानों पर विशेष मेलों का आयोजन भी हुआ। तथा जिले भर से श्रद्वालुओं का तांता लगा रहा। इधर शुक्रवार को रामनवमी के तहत नवरात्रि के दौरान चल रहे अनुष्ठानों की पूर्णाहुति हागी। जिसको लेकर मंदिर स्थलों को व्यापक रूप से सजाया संवारा गया है। इधर रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कडे इंतेजाम किये गये है। इसी के तहत बुधवार को पुलिस व पैरामिलेट्री फोर्स के नेतृत्व में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस के जवानो, एवं आरएसी के जवानो के तत्वावधान में गेपसागर की पाल से पुराने शहर के विभिन्न मार्गो से एक फ्लेग मार्च निकाला गया ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे।

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द

सं. 19267 दिनांक: 25.03.2026

:- लोक सूचना :-

पुनीत बिल्डर्स प्रा.लि. जरिये निदेशक श्री रमेश देवीलाल राठौड़ पिता श्री देवीलाल राठौड़ निवासी कर्मचारी कॉलोनी, नाथद्वारा, तहसील-नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	तहसील का नाम जिले सहित	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
1.	नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	उपलपुरा मंगरा पाछला	14, 15, 16, 21, 778/18, 780/18 781/20, 783/20, 784/17, 785/17	2.2901 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 25.03.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर पालिका, नाथद्वारा

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द

सं. 19264 दिनांक: 25.03.2026

:- लोक सूचना :-

श्री डुंगा लाल गमेती पिता श्री गमना जी निवासी कुंचोली तहसील-नाथद्वारा, श्री योगेश गमेती पिता श्री पृथ्वीराज गमेती, श्री प्यारे लाल पिता श्री अम्बालाला एवं श्री पुष्कर लाल गमेती पिता श्री लिम्बाराम गमेती निवासी उदयपुर द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	तहसील का नाम जिले सहित	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
1.	नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	पानरियों की मादड़ी	268, 269, 598/270, 273 से 279, 291 से 295	1.5998 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 25.03.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर पालिका, नाथद्वारा

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द

सं. 19270 दिनांक: 25.03.2026

:- लोक सूचना :-

श्री दिनेश जैन पिता श्री शान्तिलाल एवं पार्श्वनाथ कॉम्प्लेक्स प्राइवेट लिमिटेड जरिये भागीदारी श्री दिनेश जैन पिता श्री शान्तिलाल जैन व हेमेन्द्र जैन पिता श्री विजयलाल जैन निवासी सविना, उदयपुर द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	तहसील का नाम जिले सहित	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
1.	नाथद्वारा जिला-राजसमन्द	भलावतों का खेड़ा	06 से 13, 16 से 22, 24, 1048/3, 1050/25, 1052/26	2.4363 हैक्टेयर

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 25.03.2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर पालिका, नाथद्वारा

प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगरपरिषद राजसमन्द

सं.10577 दिनांक: 25.03.26

लोक सूचना

श्रीमती श्रीमती बाली चौधरी पत्नी श्री मोहन लाल जाट निवासी किसोर नगर तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्-

क्र. सं.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1.	राजसमन्द	आसोटिया के	739/3	कुल रकबा 0.2165 हैक्टेयर में से 0.1422 हैक्टेयर भूमि का हॉस्पीटल प्रयोजनार्थ

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 25.03.26 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगरपरिषद, राजसमन्द

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण बीकानेर के "बॉल क्ले" व्यवसाय पर संकट

बीकानेर की क्ले खदानों से रोज 400 ट्रक निकलते थे, अब 50-60 ही गुजरात के मोरबी जा रहे हैं

- मोरबी में ईंधन के रूप में इस्तेमाल की जा रही गैस की किल्लत के कारण टाइल्स और सिरेमिक उत्पाद की करीब 600 फैक्ट्रियां बंद
- बीकानेर का क्ले व्यवसाय पूरी तरह लड़खड़ाया, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से करीब सात लाख लोगों पर रोजगार का संकट खड़ा हुआ

बीकानेर, (निसं)। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध ने बीकानेर के "बॉल क्ले" व्यवसाय पर संकट खड़ा कर दिया है। गुजरात के मोरबी में ईंधन के रूप में इस्तेमाल की जा रही गैस की किल्लत के कारण टाइल्स और सिरेमिक उत्पाद की करीब 600 फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं, जिससे वहां के व्यवसायियों ने ऑर्डर कैंसिल कर बीकानेर से क्ले मंगाना बंद कर दिया है। बीकानेर से रोजाना 400 ट्रक क्ले गुजरात जाते थे और अब 50-60 ही रह गए हैं।

टाइल्स और अन्य सिरेमिक उत्पाद के लिए सबसे जरूरी खनिज "बॉल क्ले" की बीकानेर में करीब 241 खानें हैं। यहां से हर साल 40 लाख टन क्ले गुजरात के सिरेमिक हब मोरबी भेजी जाती है, जहां टाइल्स और अन्य सिरेमिक उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इससे मोरबी में सालाना 60 हजार करोड़ रुपए का टर्नओवर होता है। पिछले 25 दिन से चल रहे युद्ध के कारण मोरबी में गैस की आपूर्ति बाधित हो गई। अब फैक्टरी मालिकों ने बीकानेर के खान मालिकों को माल भेजने से मना कर दिया है। अब 50-60 ट्रक ही मोरबी जा रहे हैं। ये गाड़ियां भी मोरबी में वे लोग मंगा रहे हैं, जिनकी फैक्ट्रियों में गैस का स्टॉक था। अगर युद्ध लंबा चला तो बीकानेर से क्ले का डिस्पैच पूरी तरह बंद हो जाएगा। बीकानेर का क्ले व्यवसाय पूरी तरह लड़खड़ा गया है। प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से करीब 7 लाख लोगों पर रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

देश में करीब सिरेमिक टाइल्स बनाने वाली 1000 इकाइयां हैं, जिनमें से अधिकांश गुजरात के मोरबी में ही हैं। करीब 25 इकाइयां राजस्थान सहित अन्य राज्यों में हैं। प्रत्येक इकाई रोजाना औसतन 20,000 वर्ग मी. टाइल्स का उत्पादन करती है। इसके लिए रोजाना 25 मीट्रिक टन पेट्रोलियम गैस की आवश्यकता होती है। आपूर्ति में रुकावट से उत्पादन की लागत बढ़ गई है। फैक्ट्रियां बंद होने से बड़ा आर्थिक और रोजगार संकट खड़ा हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय शिपिंग लागत में भारी वृद्धि हो गई है। डॉलर महंगा होने और ईंधन लागत बढ़ने से आयातित कच्चे माल महंगे हो गए हैं। सिरेमिक उत्पाद का 30 प्रतिशत निर्यात होता है।

क्ले व्यवसायी राजेश चूरा का कहना है कि हालात नहीं सुधरे तो जल्दी ही खानें बंद करने की नौबत आ जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो करीब 7 लाख लोग प्रभावित होंगे। क्ले की एक खान से कम से कम 3000 लोगों का रोजगार जुड़ा है। बीकानेर में 241 खानें हैं तो उनसे जुड़े लोगों के रोजगार पर संकट खड़ा हो जाएगा। मोरबी के जो फैक्टरी मालिक 50-60 गाड़ियां क्ले मंगा रहे हैं, वो भी जल्दी ही बंद कर देंगे।

मनोज एरवाड़ियां, सिरेमिक एसेसिएशन अध्यक्ष, मोरबी, गुजरात ने बताया कि मोरबी में टाइल्स और सिरेमिक की करीब 600 इकाइयां बंद कर दी गई हैं। जब तक गैस की किल्लत दूर नहीं हो जाती, इन्हें शुरू करना मुश्किल होगा। बीकानेर के क्ले व्यवसायियों को डिस्पैच रोक देने के लिए कहा गया है। जिन फैक्ट्रियों में गैस का स्टॉक है, केवल वही क्ले मंगा रहे हैं। गैस आपूर्ति शुरू सुचारू होने के बाद भी सिरेमिक व्यवसाय पटरी पर आने में 4-6 माह का समय लगेगा।

एमपी पुरोहित, खनि अभियंता, बीकानेर का कहना है कि रवन्ना और उत्पादन के आंकड़ों के मुताबिक क्ले का डिस्पैच सामान्य से कम होता जा रहा है। इसका बड़ा कारण मोरबी में सिरेमिक इकाइयों का बंद होना है।

युवती की संदिग्ध मौत, युवक हिरासत में

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक होटल में मंगलवार को एक युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी, जिसका एमजीएच में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। संदेह है कि युवती से दुष्कर्म किए जाने से उसकी मौत हो गई। मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। पुलिस ने होटल में उसके साथ ठहरे युवक को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ जारी है। दोनों ग्रामीण परिवेश से है। मृतका के भाई की तरफ से दुष्कर्म और हत्या किए जाने की आशंका में केस दर्ज कराया गया है।

उदयमंदिर थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि मंगलवार को एक होटल में युवती संदिग्ध मौत की जानकारी पर पुलिस वहां पर पहुंची थी। शव को बाद में एमजीएच मोर्चरी में रखवाया गया, जिसका आज मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया।मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। मृतका के भाई ने एक युवक पर जोकि होटल में उसकी बहन के साथ रूका था, उस पर दुष्कर्म और हत्या की आशंका में रिपोर्ट दी है। थानाधिकारी ने बताया कि संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

नापासर, (निसं)। रेलवे स्टेशन के पास बुधवार दोपहर अज्ञात व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला। उसे राजकीय चिकित्सालय नापासर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार, करीब 50 वर्षीय यह व्यक्ति मुसाफिरखाने के सामने बेहोशी की हालत में पड़ा मिला था। आसपास के लोगों ने तुरंत नापासर पुलिस और एम्बुलेंस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर नापासर थाना पुलिस के ड्यूटी ऑफिसर रिखब दास मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई की।

राजस्थान सरकार

कार्यालय- राजकीय महाविद्यालय करौली (322241)

Email ID-pgcollogokarauil@gmail.com

क्रमांक-2025-26/519 दिनांक-16.03.2026

(E-tender NIB No. 02/2025-26)

Sealed Single Stage Two-envelopes and unconditional online Bids for Rate contract for upto 31.03.2027 provide "Un-Skilled, Semi-Skilled, Skilled And Highty sKilled manpower for Government College, Karuli are invited from interested bidders upto 27.03.2026 at 01.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal (http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 25 Lakh.

UBN NO. ECD2526SLOB00624

Principal
Government College, Karauli

DIPR/C/5759/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड रामगंज मण्डी (जिला कोटा)

क्रमांक-1349 दिनांक-18.03.2026

निविदा सूचना संख्या 23/2025-2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/भवन कार्यो के उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के "ए" "बी" "सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा निम्न कार्यो की आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.diproline.org." "www.eproc.rajasthan.gov.in" तथा "www.pwd.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

1. PWD2526WSOB25949, 2. PWD2526WSOB25950, 3. PWD2526WSOB25951
4. PWD2526WSOB25952, 5. PWD2526WSOB25953

(आर.के.मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड रामगंज मण्डी

DIPR/C/5939/2026

पोकरण : सड़क दुर्घटना में दो की मौत, आठ घायल

चाचा गांव के नजदीक बोलेरो कैंपर अनियंत्रित होकर पलट गई

- सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने के प्रयास में हुआ हादसा

पोकरण, (निसं)। पोकरण के पास चाचा गांव के नजदीक बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में बोलेरो कैंपर अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वाहन में दस लोग सवार थे। घायलों में 4 महिलाएं, 3 पुरुष और 1 बच्चा शामिल हैं। हादसा सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने के प्रयास में हुआ, जिसमें तेज रफ्तार के चलते चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पलट गई। हादसे में मृतकों की पहचान गोर्धन सिंह और गोपाल सिंह के रूप में हुई है। सभी घायल थईयात गांव के निवासी बताए जा रहे हैं, जो रामदेवरा से एक शोक सभा में शामिल होकर लौट रहे थे। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निजी वाहनों और एम्बुलेंस के जरिए तुरंत पोकरण के उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को इलाज के लिए जोधपुर रेफर किया गया है, जबकि अन्य घायलों का उपचार पोकरण में जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर के नीचे दबने से चालक की मौत

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके में नहर निमार्ण कार्य के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटी खा गया। हादसे में घायल हुए चालक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार उत्तरप्रदेश निवासी रामवीर कोटा में मजदूरी के लिये आया था। रामवीर ट्रैक्टर चालक था, जो सिमलिया क्षेत्र में चल रहे नहर निमार्ण में कार्य के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटी खा गया, जिसके नीचे दबने से चालक रामवीर गंभीर रूप से घायल हो गया। रामवीर को घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। सिमलिया थानाधिकारी नन्द सिंह ने बताया कि उत्तरप्रदेश निवासी रामवीर नहर निर्माण साईट पर ट्रैक्टर चलाने का काम करता था।, ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर पलट जाने से चालक उसके नीचे दब गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

श्रीगंगानगर में 'रेबीज' से डॉग के मालिक की मौत

दस दिन पहले कुत्ते (श्वान) की भी मौत हो गई थी, संपर्क में आने से युवक को भी रेबीज हो गया था

- युवक हवा-पानी से डरने लगा था, अस्पताल में भी आक्रामक हो गया

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां पालतू कुत्ते के काटने के बाद रेबीज से उसके मालिक की भी मौत हो गई। इससे 10 दिन पहले कुत्ते (श्वान) की भी मौत हो गई थी। युवक हवा, पानी से डरने लगा था। युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल लाया गया था, जहां वह असामान्य व्यवहार करने लगा, इसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर युवक के परिजनों को रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए हैं। बेड और स्ट्रेचर को भी बाहर निकाल कर रखा गया है।

जानकारी के अनुसार, श्रीगंगानगर के रहने वाले युवक ने घर में कुत्ता पाला हुआ था। कुत्ते को रेबीज था, इसके चलते उसके कुत्ते की 10 दिन पहले ही मौत हो गई थी। इसके संपर्क में आने से युवक को भी रेबीज हो गया। इसके बाद बुधवार को युवक की तबीयत बिगड़ने लगी। रेबीज के लक्षण नजर आने लगे और पागलों जैसी हरकतें, बेचैनी और असामान्य व्यवहार करने लगा। परिजन उसे श्रीगंगानगर के सरकारी हॉस्पिटल में ले गए। जानकारी के अनुसार, अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचते ही मरीज की हालत और बिगड़ गई। डॉक्टरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़ सहित आधा दर्जन डॉक्टरों ने मरीज को देखा, लेकिन रेबीज की आक्रामक स्टेज में इलाज संभव नहीं हो पाया। इमरजेंसी रूम में ही युवक की मौत हो गई।

पीएमओ डॉ. सुखपाल सिंह बराड़ ने बताया कि परिजनों ने बताया था कि ये हवा-पानी से डरने लगा था और आक्रामक भी हो गया था। मरीज के साथ आए परिजनों को तुरंत रेबीज बचाव इंजेक्शन लगाए गए हैं। इमरजेंसी कक्ष को हाइपो से साफ करवाया गया। बैड और स्ट्रेचर को बाहर निकालकर सैनिटाइज किया गया। शव को जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। गुरुवार को शव का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

राजस्थान सरकार

कार्यालय सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग जालोर

नर्मदा कॉलोनी, समाज कल्याण विभाग के पीछे जालोर (राज.). ई-मेल-dcpujalore@gmail.com

क्रंमाकः-जि.बा.सं.इ./ जालोर / 2025-26/733 दिनांकः-17.03.2026

ई-निविदा सूचना सं. 01/2025-26

कार्यालय सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एंव बाल अधिकारिता विभाग जालोर के अधीन संचालित चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 (24x7) सेवा के संचालन हेतु एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर मानव संसाधन (प्रोजेक्ट मेनेजमेंट यूनिट) उपलब्ध कराने हेतु ई-निविदा के माध्यम से पंजीकृत / रजिस्टर्ड संवेदक / बोलीदाताओं से निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र. स.	जॉब बेसिस पदों का विवरण	जॉब बेसिस पदों की संख्या	अनुमानित वार्षिक लागत	बोली प्रतिभूति राशि (रूपये में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रूपये में)	ई- निविदा प्रकिया शुल्क (रूपये में)
1	2	3	4	5	6	7
1	project coordinator	01	20.88 लाख	41,760/-	500/-	500/-
2	counselor	01				
3	child helpline supervisors	03				
4	case worker	03				

NIB NO-CED2526A0114
UBN NO-CED2526SLOB00113

1	डाक्यूमेट डाउनलोड प्रारम्भ तिथि एवं समय	17.03.2026	सांय 5.00 बजे
2	बिड सबमिशन स्टार्ट तिथि एवं समय	17.03.2026	सांय 5.00 बजे
3	डाक्यूमेंट डाउनलोड की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.00 बजे
4	कार्यालय में प्रतिभूति राशि प्रोसेसिंग फीस एवं टेंडर फीस जमा कराने की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.00 बजे
5	बिड समिशन की अंतिम तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.00 बजे
6	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	27.03.2026	सांय 5.30 बजे
7	वित्तीय बिड खोलने की तिथि एवं समय	Will be intimte later to the Technically Qualified Bidders	

निविदा सबंधी विस्तृत सूचना दस्तावेज मय शर्ते https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर व डाउनलोड की जा सकती है। निविदा https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन आमत्रित की जाती है।

देखी तकनीकी निविदा उन्ही निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा निविदा प्रतिभूति राशि का मूल डिमाण्ड ड्राफ्ट जो की Assitant Director, District Child Protection Unit & child Emp. Department Jalore के नाम एव जालोर में देय हो कार्यालय में भौतिक रूप से जमा कराया जायेगा तथा निविदा प्रपत्र शुल्क ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपये Assitant Director, District Child Protection Unit & child Emp. Department Jalore के नाम से एवं RISL ई निविदा प्रक्रिया शुल्क राशि ऑनलाईन ई-ग्रास से चालान 500/- रूपयें Managing Director, RISL, Jaipur Payable at Jaipur के नाम से हो निर्धारित तिथी एवं समय तक कार्यालय में प्रस्तुत कर दी गई होगी। यह निविदा निर्धारित तिथि व समय को जो निविदादाता उपस्थित होंगे, के समक्ष खोली जावेगी।

किसी बोली को स्वीकार / अस्वीकार करने या किसी बोली को निरस्त करने का उपापन समिति को सम्पूर्ण अधिकार होगा। उक्त निविदा के अन्तर्गत चाहा गया कार्य पूर्णतः जॉब बेसिस आधार पर है और यह स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाता है कि उक्त जॉब बेसिस कार्य हेतु संवेदक द्वारा उपलब्ध करवाये जाने वाले जॉब बेसिस वर्कर भविष्य में स्थायीकरण / राज्य कर्मचारियों के समकक्ष वित्तीय अथवा अन्य परिलाभ प्राप्त करने हेतु किसी भी आधार पर विधिक अथवा प्रशासनिक रूप से अधिकृत नहीं होगें। यदि इस संदर्भ में जॉब बेसिस वर्करों द्वारा उक्तानुसार अंकित निर्देश व स्पष्टीकरण के विपरित कोई मांग अथवा विधिक दावा किया जाता है, तो उनके द्वारा किया जाने वाला ऐसा प्रयास अन्यथा प्रयोजनवश माना जाकर गैरकानूनी होगा और इसके लिए संबंधित संवेदक/फर्म/एजेंसी ही उत्तरदायी होगी, यह कार्यालय/विभाग किसी भी रूप में उत्तरदायी नहीं होगा। तकनीकी एंव वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश होने/घोषित होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जावेगी।

सहायक निदेशक
जिला बाल संरक्षण ईकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग जालोर

DIPR/C/5867/2026

श्रीगंगानगर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

कोलकाता के एक गलत एड्रेस से डाक के जरिए भेजे गए अज्ञात पत्र में चेतावनी दी गई थी

- बीकानेर से बम निरोधक दस्ता कोर्ट पहुंचा और पूरे परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी
- बम निरोधक दस्ते की क्लियरेंस मिलने के बाद ही कोर्ट में कामकाज शुरू हो पाया

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर मं कोर्ट कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। कोलकाता के एक गलत एड्रेस से डाक के जरिए भेजे गए अज्ञात पत्र में कोर्ट को उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। बुधवार सुबह बीकानेर से बम निरोधक दस्ता कोर्ट पहुंच गया और पूरे परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई। एसपी समेत पुलिस जाब्ता भी मौके पर पहुंचा। डॉग स्क्वाड और बम निरोधक टीम ने कोर्ट के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली। सी और डी ब्लॉक के चैंबर, न्यायिक अधिकारियों के कक्ष समेत पूरे परिसर की जांच की गई। बम निरोधक दस्ते की क्लियरेंस मिलने के बाद ही कोर्ट में कामकाज शुरू हो पाया। पत्र भेजने वाले का पता लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। कोलकाता के एड्रेस का इस्तेमाल कर भेजे गए धमकी भरे पत्र की ट्रेसिंग के लिए सायबर सेल और पोस्टल विभाग की मदद ली जा रही है। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई है। कोर्ट परिसर में एंट्री और मोर्चा जांच कड़ी कर दी गई है। अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, 15 दिन पहले यानी 10 मार्च को सुबह करीब 11:30 बजे श्रीगंगानगर के पासपोर्ट ऑफिस (पोस्ट ऑफिस परिसर में स्थित) को भी बम से उड़ाने की ई-मेल धमकी मिली थी। उस समय भी बीकानेर से बम निरोधक दस्ता बुलाया गया और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद अगले दिन ऑफिस ने सामान्य कामकाज शुरू कर दिया।

महिला और किशोरी ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के मथानिया और सदर कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला और किशोरी ने अपने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। संबंधित थाना पुलिस ने परिजन की तरफ से दर्ज कराई मर्ग रिपोर्ट पर कार्रवाई की और शव सुपुर्द किए। वहीं पुलिस ने मामले को लेकर जांच शुरु कर दी है।

मथानिया पुलिस ने बताया कि बिंजवाड़ियां की रहने वाली 28 वर्षीय भावना पत्नी टीकमराम माली ने अपने घर में फंदा लगा लिया। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। रिश्तेदार बस्सीनगर बड़ला बासनी ओसियां निवासी प्रेमाराम पुत्र कुंभाराम माली ने मर्ग में रिपोर्ट दी। दूसरी तरफ से सदर कोतवाली पुलिस ने बताया कि भीतरी क्षेत्र नया बास रामदेव की गली में रहने वाली 16 साल की किशोरी ने भी अपने घर में फंदा लगा लिया। पता लगने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। उसके रिश्तेदार ने मर्ग रिपोर्ट दी।

जोधपुर में सूने घर से जेवर व सामान चोरी

परिवार शादी समारोह में गांव गया हुआ था, पड़ौसी ने सूचना दी

- दो किलो चांदी के आभूषण, चार तोला सोने के जेवर और चांदी के बर्तन चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर की पुरानी आशापूर्णा टाउनशिप में एक सूने घर में चोरों ने सैंध लगाकर वहां से दो किलो चांदी के आभूषण, बर्तन के साथ सोने के आइटम चोरी कर ले गए। परिवार के लोग सीकर अपने गांव शादी समारोह में गए हुए थे। पड़ौसी ने घर के ताले टूटने की जानकारी दी। इस पर वे जोधपुर लौटे और अब एयरपोर्ट थाने में चोरी की रिपोर्ट दी है।

एएसआई भंवराराम ने बताया कि पुरानी आशापूर्णा टाउनशिप, शिकारगढ़ निवासी अक्षय प्रताप सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया। इसमें बताया कि वह परिवार सहित अपने गांव सीकर गया हुआ था, परिवार में शादी समारोह के चलते घर तकरीबन पांच-सात दिन से सूना था। इस बीच पड़ौसी ने सूचना दी कि घर के ताले टूटे पड़े है। यहां आने पर पता लगा कि चोरों ने सारा सामान बिखेर दिया और अलमारी बक्सों के ताले तोड़कर वहां से करीबन दो किलो चांदी के आभूषण, चार तोला सोने के जेवर और चांदी के बर्तन चोरी कर ले गए। चोरी हुए सामान में चांदी के बर्तन जैसे प्लेटें, कटोरी, गिलास, चम्मच के अलावा सोने की अंगूठी, चेन, ब्रेसलेट और चांदी की मूठ वाली तलवार शामिल है। एएसआई भंवरराम ने बताया कि परिवादी के पिता प्रोपर्टी का काम करते थे। परिवादी खुद पढ़ाई करता है, उसकी तरफ से मामला दर्ज कराया गया है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32(B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/803

दिनांक-25.03.2026

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा कमांक प.4 (1) वित्त/आब/2026 दिनांक 27 जनवरी, 2026 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधानानुसार नवीनीकरण से शेष रहे मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाइन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	28-03-2026	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रकियानुसार एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रु. 10,000 के गुणांक मे बढाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस / पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेंगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नही ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Eamest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2026-27 के पात्र अनुज्ञधारियों को वर्ष कमशः 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा कलस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।

DIPR/C/___/2026 आबकारी आयुक्त, उदयपुर

उदयपुर के भल्लों का गुडा में पिंजरे में कैद हुआ लैपर्ड

कई दिनों से लैपर्ड पशुओं का शिकार कर रहा था

- वन विभाग ने तीन दिन पहले जंगल की सीमा पर पिंजरा लगाया था, जिसमें लैपर्ड कैद हो गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के पास भल्लों का गुडा इलाके में पिछले कई दिनों से आतंक मचा रहा लैपर्ड आखिरकार बुधवार को वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। इस कार्रवाई के बाद पूरे इलाके में राहत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार कुराबड़ मार्ग पर स्थित इस गांव में कई दिनों से लैपर्ड का लगातार विचरण देखा जा रहा था। रात के अंधेरे में वह बस्ती के करीब पहुंचकर आसपास के पशुओं का शिकार कर रहा था। इससे ग्रामीणों का डर इतना बढ़ गया था कि शाम ढलते ही लोग घर से बाहर निकलने से कतराने लगे थे। लगातार शिकायतों और लोगों में फैले भय को देखते हुए वन विभाग ने तीन दिन पहले जंगल की सीमा पर पिंजरा लगाया था। बुधवार सुबह ग्रामीणों को पिंजरे से गुर्राहट की आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंचकर देखा तो लैपर्ड पिंजरे में फंस चुका था। सूचना मिलते ही वनपाल रीना कुंवर के नेतृत्व में वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने पूरी सतर्कता बरतते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और लैपर्ड को सुरक्षित कब्जे में ले लिया। बाद में उसे सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में पहुंचा दिया। लैपर्ड के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल है, लेकिन वन विभाग ने सभी से सतर्कता बरतने की अपील की है। खासकर सुबह और शाम के समय बाहर निकलते वक्त अतिरिक्त सावधानी रखें।

लाखों की अफीम सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। रायला थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक सफेद रंग की फॉर्च्यूनर कार से 592 ग्राम अवैध अफीम बरामद कर हरियाणा निवासी तीन अंतरराष्ट्रीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमत तीन लाख रुपये आंकी गई है।

रायला थानाधिकारी मुलचंद वर्मा ने बताया कि थाने के सामने भीलवाड़ा-गुलाबपुरा रोड पर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा की ओर से आ रही एक संदिग्ध सफेद फॉर्च्यूनर कार को रुकवाया गया। पुलिस को देखकर कार सवार युवक घबरा गए। तलाशी लेने पर गाड़ी के अंदर एक प्लास्टिक की थैली में छिपाकर रखी गई 592 ग्राम अफीम मिली। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार में सवार तीनों आरोपियों को नुकुल जाट निवासी कुमाषपुर, सोनीपत हरियाणा, राहुल जाट निवासी ढुराना, सोनीपत हरियाणा, विक्की जाट निवासी लुधाना, जिला जींद हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया।

अहमदाबाद में उदयपुर के युवक की हमलावरों ने हत्या की

हमलावर ने युवक के पेट में इतने गहरे घाव किए कि उसका शरीर खून से लथपथ हो गया

- घटना के बाद परिजन और समाज के लोग उदयपुर से अहमदाबाद पहुंचे और सिविल हॉस्पिटल परिसर में प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की
- मृतक हितेष की दो माह बाद शादी होने वाली थी, जिसकी घर में तैयारियां चल रही थी, लेकिन अचानक हुई इस वारदात ने खुशियों को मातम में बदल दिया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के नयागांव उपखंड में बलीचा गांव के एक युवक की सोमवार रात को अहमदाबाद में अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी। हमलावर ने युवक के पेट में दो से तीन इतने गहरे घाव किए कि उसका शरीर खून से लथपथ हो गया। घटना के बाद परिजन और समाज के लोग उदयपुर से अहमदाबाद पहुंचे और सिविल हॉस्पिटल परिसर में मामले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। फिलहाल परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हैं अभी तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं किया गया है। परिजनों का कहना है जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती वे शव नहीं उठाएंगे। किस वजह से हत्या हुई इसका पता नहीं चला है। मृतक हितेष परिवार में बड़ा बेटा था।

पिता रमणलाल ने बताया कि हितेष की दो माह बाद शादी होने वाली थी, जिसकी घर में तैयारियां चल रही थीं। लेकिन अचानक हुई इस वारदात ने खुशियों को मातम में बदल दिया। मेघवाल युवा संगठन के लक्ष्मीनारायण मेघवाल ने बताया कि बलीचा निवासी हितेष (25) पुत्र रमणलाल मेघवाल पिछले 20 वर्ष से अहमदाबाद के गुप्ता नगर में रहकर फर्नीचर का काम करता था। सोमवार रात को हितेष अपने घर के बाहर बरामदे में सो रहा था, तभी अज्ञात हमलावरों ने उस पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमला इतना भीषण था कि युवक के शरीर के अंग बाहर निकल आए और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पास ही सो रही बहन की चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर दौड़े, लेकिन तब तक अपराधी फरार हो चुके थे। घटना की सूचना पर गुजरात पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया।

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 से राजस्थान में बनेगा बेहतर ईको-सिस्टम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में औद्योगिक विकास को मिली नई गति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति मिली है। राज्य सरकार द्वारा 34 से अधिक नीतियां लागू की गई हैं, जिससे प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर ईको-सिस्टम बन रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, अनुमोदन प्रक्रिया का सरलीकरण जैसे विभिन्न निर्णयों से प्रदेश का उद्योगिक परिदृश्य बदला है। इसी क्रम में सरकार द्वारा राजस्थान औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति-2026 लाई गई है, जिससे विश्व स्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास होगा तथा राजस्थान देश-विदेश में विश्वसनीय एवं फ्यूचर रैडी इंडस्ट्रियल डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित होगा।

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राइजिंग, रिलायबल एण्ड रिसेप्टिव राजस्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप प्रदेश में औद्योगिक निवेश के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास है। साथ ही, ये नीति मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी पूरा करने में मददगार साबित होगी।

इस नीति के तहत विश्वस्तरीय औद्योगिक पार्कों का विकास, भूमि-जल-ऊर्जा संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग तथा

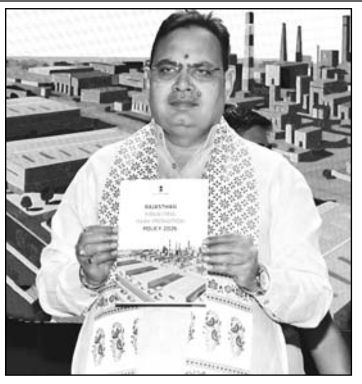

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

लॉजिस्टिक्स सुविधाएं को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन तथा सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास भी सुनिश्चित होगा।

इस नीति के अंतर्गत निजी क्षेत्रों में औद्योगिक पार्कों को चार विकास मॉडलों पर विकसित किया जाएगा। मॉडल-ए में रीको द्वारा आवंटित भूमि पर पूरी तरह निजी डवलपर द्वारा विकास किया जाएगा। वहीं, मॉडल-बी के अंतर्गत औद्योगिक पार्क के लिए 80 प्रतिशत भूमि विकासकर्ता द्वारा एवं शेष 20 प्रतिशत भूमि

■ प्रदेश में बनेंगे औद्योगिक पार्क, बढ़ेगा निवेश-मिलेगा रोजगार : मुख्यमंत्री

रीको द्वारा निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसी तरह, मॉडल-सी के तहत पार्क के लिए संपूर्ण भूमि की विकासकर्ता द्वारा व्यवस्था की जाएगी तथा मॉडल-डी पीपीपी मॉडल पर आधारित होगा।

नीति के तहत निजी क्षेत्र में औद्योगिक पार्कों के लिए कम से कम 50 एकड़ क्षेत्रफल तथा न्यूनतम 10 औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अनिवार्य होगी।

औद्योगिक पार्क प्रोत्साहन नीति के तहत हरित विकास को बढ़ावा देने के साथ ही औद्योगिक प्रदूषण को भी कम किया जाएगा। इसके लिए सीईटीपी पर व्यय का 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (अधिकतम 12.5 करोड़ रुपये प्रति पार्क) का प्रावधान किया गया है।

इस नीति के तहत प्रथम 10 औद्योगिक पार्क डवलपर्स को सामान्य अवसंरचना विकास पर 20 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा। इसकी अधिकतम सीमा 100 एकड़ क्षेत्रफल तक 20 करोड़ रुपये, 100 से 250 एकड़ क्षेत्रफल पर 30 करोड़ तथा 250 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल के लिए 40 करोड़ रुपये होगी।

राज्य सरकार औद्योगिक बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस नीति में भी अवसंरचना के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा औद्योगिक पार्क तक जल एवं विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, औद्योगिक पार्क के निकटतम सड़क एवं सम्पर्क मार्ग का निर्माण करवाया जाएगा। इसके लिए 60 प्रतिशत राज्य सरकार एवं 40 प्रतिशत व्यय विकासकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा तथा इसमें राज्य सरकार का अधिकतम अंशदान 3 करोड़ रुपये तक होगा।

प्रदेश सरकार के पूर्ण पारदर्शी एवं जवाबदेही सुशासन के विजन का इस नीति में भी विशेष ध्यान रखा गया है। औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए प्रस्तावित भूमि की जानकारी राज निवेश पोर्टल पर उपलब्ध होगी। इस पोर्टल पर सिंगल विंडो क्लीयरेंस के माध्यम से आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा। नीति में कैप्टिव नवीकरणीय ऊर्जा पर 7 वर्ष तक 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट, स्टाम्प शुल्क एवं कन्वर्जन शुल्क में 25 प्रतिशत छूट तथा प्लग-एंड-प्ले ऑफिस कॉम्प्लेक्स एवं कॉमन यूटिलिटी सेंटर के लिए रिप्स-2024 के अंतर्गत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी सम्मिलित हैं।

विकास सीतारामजी भाले ने की डेयरी विकास गतिविधियों की समीक्षा

नवाचारों और उपलब्धियों के लिये आरसीडीएफ के कार्यों को सराहा

प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले ने बुधवार को सरस संकुल मुख्यालय में डेयरी फैडरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर । पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, एवं गौपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले ने सरस को राष्ट्रीय स्तर का ब्राण्ड बनाने के लिये किये जा रहे गम्भीर प्रयासों और डेयरी विकास के क्षेत्र में किये गये नवाचारों के लिये आरसीडीएफ प्रबन्धन की सराहना की है। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में आरसीडीएफ द्वारा अर्जित किये गये रिकार्ड टर्नओवर और 47 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक लाभ अर्जित करने के लिये आरसीडीएफ और जिला दुग्ध संघों की कार्य प्रणाली की भी प्रशंसा की है। उन्होंने आरसीडीएफ एवं जिला दुग्ध संघों को देशभर में डेयरी विकास के क्षेत्र में प्रतिष्ठित गोपाल रत्न अवार्ड और भारतीय सेना से मिले सम्मान पर प्रसन्नता व्यक्त की। वर्तमान में 45 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध संकलन के लिये बधाई देते हुऐ उन्होंने राज्यभर में कार्यशील समितियों की संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जिससे अधिक से अधिक संख्या में दुग्ध उत्पादकों को डेयरी से जोड़ा जा सके। भाले बुधवार को जवाहर लाल नेहरु मार्ग स्थित सरस संकुल मुख्यालय में डेयरी फैडरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रहे थे।

उन्होंने गुणवत्ता नियन्त्रण के लिये एक राज्य स्तरीय क्वालिटी कंट्रोल डेशबोर्ड बनाने का सुझाव दिया जिस पर राज्यभर की सहकारी डेयरियों के दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता की मोनिटरिंग की जा सके।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता परीक्षणों के लिये अत्याधुनिक टैस्टिंग मशीन एवं उपकरण लगाये जाने चाहिये। उन्होंने कैमल मिल्क को पाउडर के रुप में विकसित करने और चिपलेट फोर्म में बटर के उत्पादन एवं विक्रय का भी सुझाव दिया।

आरसीडीएफ की प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने भविष्य की योजनाओं पर प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत प्रकाश डाला। भारद्वाज ने राज्यभर में दूध और दूध से बने उत्पादों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाये जा रहे अभियान ''दूध का दूध-पानी का पानी'' की सफलता पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि इस अभियान से राज्यभर में मिलावटी दूध पर प्रभावी अंकुश लगा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना और 1000 करोड़ रुपये के डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फण्ड जैसी योजनाओं से राज्य में डेयरी विकास को एक नई गति मिल रही है। सम्पूर्ण भारतवर्ष में पहली बार किसी राज्य में डेयरी विकास के लिये 1000 करोड़ रुपये का इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फण्ड बनाया गया है जिसे अब वर्ष 2026-27 के बजट में बढ़ाकर 2000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

15 साल के बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी में हुई सीनेट बैठक में बड़े फैसलों पर मुहर लगी

25 अप्रैल को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में 2.71 लाख से ज्यादा उपाधियां वितरित की जाएंगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करीब 15 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद राजस्थान विश्वविद्यालय की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था ''सीनेट'' की वार्षिक बैठक बुधवार को आयोजित हुई। कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शिक्षा, वित्त और प्रशासन से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

■ महाराजा एवं महारानी कॉलेज की भूमि के गलत नामांतरण को सुधारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई जारी है : कुलपति

राजस्थान यूनिवर्सिटी में बुधवार को कुलपति प्रो.अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में सीनेट की बैठक हुई।

बैठक में आगामी 25 अप्रैल को विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह को मंजूरी दी गई। इस समारोह में वर्ष 2024 तथा 2025 की विभिन्न परीक्षाओं की 2.71 लाख से ज्यादा उपाधियां, 300 पीएचडी तथा 1 डी.लिट उपाधि देने का अनुमोदन किया गया। सीनेट ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट को सर्वसम्मति से पारित किया, जिसमें शोध कार्यों को बढ़ावा देने और आधारभूत ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी गई।

बैठक में नई शिक्षा नीति-2020 के तहत क्रेडिट फ्रेमवर्क और सेमेस्टर सिस्टम की प्रगति पर संतोष जताया गया।अकादमिक परिषद के फैसलों को मंजूरी देते हुए नेसकॉम, आरकेसीएल, एनआईए और आईआईएचएमआर जैसे संस्थानों के साथ हुए एमओयू, नए पाठ्यक्रम और बजट को स्वीकृति दी गई। कुलपति ने बताया कि महाराजा एवं महारानी कॉलेज की भूमि के गलत नामांतरण को सुधारने के लिए प्रशासनिक स्तर पर त्वरित कार्रवाई जारी है। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान कटौती के निर्णय को वापस लेने के प्रयास जारी है।

एससी, एसटी, ओबीसी और महिला विद्यार्थियों को दी जा रही फीस रियायत के पुनर्भरण के लिए भी सरकार से प्रक्रिया चल रही है। कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि ''राजस्थान विश्वविद्यालय अपने गौरवशाली इतिहास और नवाचार के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और वित्तीय अनुशासन बनाए रखना है।' ज्ञात रहे कि पिछली सीनेट बैठक 25 अक्टूबर 2010 को हुई थी। अधिनियम के अनुसार यह बैठक हर वर्ष होना अनिवार्य है, लेकिन पिछले 15 साल तक यह बैठक नहीं हो पायी।

बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी दी

जयपुर। बनीपार्क क्षेत्र में कुख्यात गैंगस्टरों द्वारा एक बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी देने और रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर गैंगस्टर रोहित गोदारा, वीरेंद्र चारण और राहुल फतेहपुरिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कुचामन सिटी निवासी व्यापारी को पिछले डेढ़ महीने से मोबाइल फोन पर लगातार धमकी भरे कॉल आ रहे थे। करीब डेढ़ महीने पहले भी आरोपियों ने उसे कॉल कर जान से मारने की धमकी दी थी, जिसकी रिपोर्ट पीड़ित ने कुचामन सिटी थाने में दर्ज कराई थी। इसके बावजूद आरोपियों ने दोबारा कॉल कर रंगदारी मांगना शुरू कर दिया।

सलमान खान पर जमानती वारंट की तामील के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित करने के आदेश

जयपुर (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुडे मामले में फिल्म अभिनेता सलमान खान के खिलाफ जारी जमानती वारंट की तामील के लिए पुलिस प्रशासन को विशेष टास्क फोर्स गठित करने के आदेश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि यह टास्क फोर्स व्यक्तिगत रूप से मुंबई जाकर सलमान खान पर तृतीय जमानती वारंट की तामील कराएगी। आयोग ने चेताया कि वारंट की तामील में बाधा उत्पन्न कराई गई और आगामी सुनवाई 6 अप्रैल को सलमान खान और कंपनी के निदेशक पेश नहीं हुए तो उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाएगा। आयोग अध्यक्ष जीएल मीणा और सदस्य सुप्रिया अग्रवाल व अजय कुमार ने यह आदेश योगेन्द्र सिंह की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

आयोग ने अपने आदेश में कहा की सेलिब्रेटी स्टेट्स किसी भी व्यक्ति को कानून से ऊपर होने का अधिकार नहीं देता है। जमानती वारंटों की तामील नहीं होने देने से कानून का मखौल उड रहा है और उपभोक्ताओं का आयोगों से विश्वास डगमगाने लगा है। आयोग ने कहा कि सलमान खान के खिलाफ गत 15 जनवरी, 9 फरवरी और 16 मार्च को जमानती वारंट जारी किए गए थे। कंपनी के निदेशकों राकेश कुमार चौरसिया व दिनेश कुमार चौरसिया के खिलाफ 11 फरवरी को जमानती वारंट जारी हुए थे। इसके बावजूद भी सलमान खान की ओर से भ्रामक विज्ञापन पर रोक संबंधी अंतरिम आदेशों की निरंतर अवहेलना की जा रही है। गौरतलब है कि योगेन्द्र सिंह ने परिवाद पेश कर राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन पर पाबंदी लगाने की गुहार की है। परिवाद में कहा गया है कि इस उत्पाद को केसर युक्त बताया जा रहा है। जबकि इस कीमत में उत्पाद में केसर नहीं डाला जा सकता।

'प्रेस की स्वतंत्रता का पक्षधर हूं पर यह सीख भी देनी जरूरी कि स्वतंत्रता, स्वच्छंदता नहीं'

राज्यपाल बागड़े ने हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

जयपुर (कासं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों को चाहिए कि वे पत्रकारिता के भारतीय अतीत के साथ हमारी गौरवमय ज्ञान-परम्परा से भी जुड़े। पत्रकारिता में समाचार के साथ विचार-संस्कृति की शिक्षा का भी प्रसार होना चाहिए। उन्होंने आजादी आंदोलन में पत्रकारिता की रही भूमिका के साथ गणेश शंकर विद्यार्थी, विजय सिंह पथिक, कर्पूर चंद्र कुलिश, बिशन सिंह शेखावत आदि को याद करते हुए पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा के प्रभावी प्रसार का आव्हान किया। राज्यपाल बागडे बुधवार को हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता का मैं पक्षधर हूं पर पत्रकारिता और जनसंचार शिक्षा में यह सीख भी दी जाए कि स्वतत्रंता, स्वच्छंदता नहीं है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की।

एस्कॉर्ट और बॉडी मसाज के नाम पर ठगने वाले गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन वज्र प्रहार 2.0 के तहत जयपुर पश्चिम की साइबर सेल और झोटवाड़ा थाना पुलिस ने एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस पूछताछ करने में जुटी है। डीसीपी (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि जयपुर पश्चिम की साइबर सेल और झोटवाड़ा थाना पुलिस ने एस्कॉर्ट सर्विस और बॉडी मसाज के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के गजेंद्र यादव (23) निवासी फुलेरा (जयपुर ग्रामीण) और विकास रेबारी (20) निवासी किशनगढ़ रेनवाल जयपुर ग्रामीण जयपुर हाल झोटवाड़ा को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 02 मोबाइल फोन,10 सिम कार्ड,15 यूपीआई आईडी,02 एटीएम कार्ड और एक बैंक पासबुक बरामद की है।

विपक्ष देशद्रोही सोच के साथ कर रहा है कार्य : मदन राठौड़

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष द्वारा ईंधन और गैस की उपलब्धता को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार ने कहीं भी कमी की बात नहीं कही है। वैश्विक परिस्थितियों के कारण चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन सरकार सभी आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह अनावश्यक भय और अफरा-तफरी फैलाने का प्रयास कर रहा है, जिससे जनता में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि भारत एक परिवार की तरह है और इस प्रकार की भ्रामक सूचनाएं फैलाना राष्ट्रहित में नहीं है। सभी राजनीतिक दलों को सहयोग की भावना से कार्य करना चाहिए ताकि देश के नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि संसद में बहस और चर्चा के लिए निर्धारित प्रक्रियाएँ हैं। यदि विपक्ष वास्तव में बहस करना चाहता है तो उसे संसदीय परंपराओं का पालन करना चाहिए। केवल हंगामा और बयानबाजी करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा देशहित और

■ यूसीसी से ''एक देश, एक कानून'' की भावना होगी मजबूत, समाज से भेदभाव मिटेगा : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

सामाजिक समानता से जुड़ा हुआ विषय है। हमारे संविधान में भी समान नागरिक संहिता का उल्लेख किया गया है तथा समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न मामलों में इसकी आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलें, विशेषकर महिलाओं को न्याय और सम्मान मिले, इसी उद्देश्य से यूसीसी लागू किया जाना आवश्यक है।

मदन राठौड़ ने कहा कि कुछ राज्यों द्वारा यूसीसी लागू करने की दिशा में पहल की जा रही है और यह स्वागत योग्य कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि धीरे-धीरे पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू होगी, जिससे एक देश, एक कानून की भावना मजबूत होगी और समाज में भेदभाव समाप्त होगा।

झगड़ा शांत कराने आए पडौसी पर गोली चलाने वाला बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपी के पास से दो देसी कट्टे और जिंदा कारतूस भी बरामद किए

जयपुर । कानोता इलाके के इंदिरा गांधी नगर में आपसी विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए एक पडौसी पर फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान भागते समय बाइक फिसलने से आरोपी का एक हाथ और एक पैर टूट गया । पुलिस ने आरोपी के पास से दो देसी कट्टे और जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं । साथ ही किरायेदार का सत्यापन नहीं कराने पर पुलिस ने मकान मालिक को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि कानोता थाना इलाके के इंदिरा गांधी नगर में आपसी विवाद के दौरान बीच-बचाव करने आए एक पड़ोसी पर फायरिंग करने वाले शातिर बदमाश आरोपी आकाश जोगी (19) निवासी करौली को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उस पर पहले से ही हत्या के प्रयास, डकैती, पोक्सो एक्ट और आर्म्स एक्ट जैसे चार गंभीर मामले दर्ज हैं । पुलिस अब उससे हथियारों की खरीद-फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने आरोपी के मकान मालिक रूप लाल योगी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बीट कांस्टेबल द्वारा बार-बार कहने और पुलिस कमिश्नरेट के आदेशों के बावजूद मकान मालिक ने किरायेदार का पुलिस सत्यापन नहीं करवाया था। इसके चलते उसके विरुद्ध धारा 223 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल दिलीप सिंह की विशेष भूमिका रही । टीम में उप निरीक्षक सुभाष,कांस्टेबल प्रकाश, मुस्ताक,आनु कुमार, मन्तराम, नेहरू और सुरेश चंद शामिल थे।

गिरफ्तार आरोपी आकाश जोगी

थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह ने बताया कि 25 मार्च 2026 की रात इंदिरा गांधी नगर में किराये पर रहने वाले आरोपी आकाश जोगी और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा हो रहा था। शोर सुनकर पास ही रहने वाला दूसरा किरायेदार मनीष शर्मा (40) बीच-बचाव करने पहुँचा और झगड़े का कारण पूछा । इससे गुस्साए आकाश ने मनीष पर फायरिंग कर दी। जिससे गोली मनीष के पैर के निचले हिस्से में जा लगी । वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया । इधर वारदात की गंभीरता को देखते हुए एसीपी बस्सी विनय कुमार और थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई । पुलिस ने करीब दो दर्जन संदिग्धों से पूछताछ की और 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली । आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले रेलवे स्टेशन और सिंधी कैंप की ओर रुख किया। फिर जगतपुरा की ओर भागा । सुबह पुलिस को उसके खो नागोरियान इलाके में होने की सूचना मिली । जब पुलिस ने उसे घेरने की कोशिश की तो वह बाइक तेज भागकर सीबीआई फाटक की ओर जाने लगा । इसी दौरान उसकी बाइक स्लिप हो गई और सड़क पर गिरने से वह घायल हो गया ।

हाईकोर्ट के सामने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति बरकरार

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा, ''जवाब पेश करो वरना मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव हाजिर होकर जवाब दें'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के सामने गोल्फ क्लब के पास बन रही बिल्डिंग के निर्माण पर लगी यथास्थिति को बरकरार रखा है। इसके साथ ही अदालत ने मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव को कहा है कि उनकी ओर से यदि तीन सप्ताह में जवाब पेश नहीं किया जाता, तो वे 23 अप्रैल को अदालत में पेश होकर अपना जवाब दें। इसके साथ ही अदालत ने गोल्फ क्लब के कुछ सदस्यों की ओर से मामले में पक्षकार बनने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को निस्तारित करते हुए उन्हें इंटर विनर बनाया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश योगेश यादव की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

■ अदालत ने गोल्फ क्लब के कुछ सदस्यों की ओर से मामले में पक्षकार बनने के लिए पेश प्रार्थना पत्र को निस्तारित करते हुए उन्हें इंटर विनर बनाया है

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज शर्मा ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। जिसका विरोध करते हुए याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से अभी तक अपना जवाब पेश नहीं किया है और ना ही मौका निरीक्षण रिपोर्ट दी गई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मामला जनहित से जुडा है, ऐसे में कोई भी आकर अदालत में पक्ष रखता है तो उन्हें आपत्ति नहीं है। इस पर अदालत ने तीन सप्ताह में जवाब पेश नहीं होने पर मुख्य सचिव और यूडीएच सचिव को हाजिर होने को कहा है।याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया की मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गत 14 सितंबर, 2023 को हाईकोर्ट के सामने पार्किंग बनाने के साथ ही गोल्फ क्लब के लिए भूतल सहित एक मंजिला इमारत बनाने का निर्णय लिया गया। निर्णय में माना गया कि पार्किंग के लिए मौजूदा निर्माण को तोड़ने के बदले यह निर्माण किया जाएगा। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पूर्व का निर्माण ही अपने आप में अवैध था। करीब नौ साल पहले राज्य सरकार ने गोल्फ क्लब को यहां निर्माण करने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बावजूद निर्माण करने पर क्लब के खिलाफ कार्रवाई भी की गई थी। याचिका में यह भी कहा गया कि पूर्व के निर्णयों को दरकिनार कर अब यहां निर्माण की अनुमति दी गई है।

मां-बेटी पर तेजाब फेंकने के आरोपी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई

कोर्ट की मार्मिक टिप्पणी ''तेजाब सिर्फ शरीर नहीं, सपनों और ज़िंदगी को भी जला देता है''

मासूम बच्ची और उसकी मां पर तेजाब से हमला करने वाले आरोपी को कोर्ट में पेश किया।

- **अजमेर की महिला उत्पीड़न अदालत ने आरोपी पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया**
- **इस निर्मम हमले ने एक बच्ची की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन ली थी**

अजमेर, (कासं)। इंसानियत को झकझोर देने वाले एक दर्दनाक मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। चित्तौड़गढ़ में एक मासूम बच्ची और उसकी मां पर तेजाब से हमला करने वाले आरोपी को अजमेर की महिला उत्पीड़न अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश उत्तमा माथुर ने दोषी मोहम्मद इस्माइल को आजीवन कारावास के साथ दो लाख रुपये के जुर्माने से दंडित करते हुए समाज को एक सख्त संदेश दिया है।

जानकारी के अनुसार यह घटना उस वक्त की है जब पीड़िता अपनी 12 वर्षीय बेटी के साथ अजमेर से चित्तौड़गढ़ पहुंची थी। सुबह के समय दोनों रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक के पास शौचालय की ओर जा रही थी। तभी अचानक आरोपी ने मासूम बच्ची पर तेज़ाब फेंक दिया। बेटी की चीख सुनकर जब मां उसे बचाने दौड़ी, तो दरिंदे ने उस पर भी तेज़ाब उंडेल दिया। इस निर्मम हमले ने एक बच्ची की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए छीन ली। एक मां की ममता और एक बेटी के सपने उसी पल जलकर राख हो गए। दर्द सिर्फ शरीर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनकी पूरी जिंदगी को अंधेरे में धकेल गया।

सजा सुनाते समय अदालत की टिप्पणी ने हर किसी को भावुक कर दिया। न्यायालय ने कहा कि तेजाब हमला केवल शरीर को नहीं झुलसाता, बल्कि पीड़ित के भविष्य, उसके सपनों और पूरे परिवार की खुशियों को भी खत्म कर देता है। यह ऐसा जख्म है जो जिंदगी भर रिसता रहता है।

विशेष लोक अभियोजक नरेश कुमार धूत ने बताया कि आरोपी को घटना के अगले ही दिन सीसीटीवी फुटेज और अभय कमांड सेंटर की मदद से गिरफ्तार कर लिया गया था। अभियोजन पक्ष ने मामले को मजबूत तरीके से प्रस्तुत करते हुए 17 गवाहों के बयान, 57 दस्तावेजी साक्ष्य और 6 महत्वपूर्ण वस्तुएं अदालत के समक्ष पेश की, जिसके आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया। न्यायालय ने पीड़िता की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर को निर्देशित किया है कि उन्हें अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनके इलाज और पुनर्वास में मदद मिल सके।

मामले की त्वरित कार्रवाई और निष्पक्ष जांच के लिए जीआरपी थाना चित्तौड़गढ़ के पुलिसकर्मियों, विशेषकर कांस्टेबल पवन और धूलजी की सराहना की गई। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर गवाहों को समय पर न्यायालय तक पहुंचाकर न्याय प्रक्रिया को मजबूती दी।

पशु चिकित्सकों के एन.पी.ए. पर राजस्थान हाईकोर्ट सख्त

हाईकोर्ट ने सरकार को मुद्दे पर पुनर्विचार करने और 12 सप्ताह में फैसला करने के निर्देश दिये

- **प्रदेश में कार्यरत पशु चिकित्सकों को नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस (एनपीए) देने की मांग को लेकर दायर याचिका पर राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई**

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान में कार्यरत पशु चिकित्सकों को नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस (एनपीए) देने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विनीत कुमार माथुर व जस्टिस चन्द्रशेखर शर्मा की डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया है कि सरकार 12 सप्ताह के भीतर इस संबंध में निर्णय ले।

वेटनरी एसोसिएशन, राजस्थान की ओर से दायर इस याचिका में प्रारंभ में वेतनमान और अन्य सुविधाओं में समानता की मांग की गई थी, लेकिन सुनवाई के दौरान मुख्य रूप से एनपीए देने के मुद्दे पर ही जोर दिया गया। याचिकाकर्ता पक्ष ने अदालत को बताया कि राज्य के पशु चिकित्सक पशुधन और वन्यजीवों की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उनकी कार्यप्रणाली अन्य राज्यों के चिकित्सकों के समान है। अधिवक्ताओं ने यह भी तर्क दिया कि देश के कई राज्यों जैसे दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड सहित कई स्थानों पर पशु चिकित्सकों को एनपीए दिया जा रहा है। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा 3 जून 2016 को जारी निर्देशों में भी राज्यों को इस दिशा में कदम उठाने के लिए कहा गया था। सातवें वेतन आयोग ने भी इस भत्ते की सिफारिश की है। राज्य सरकार की ओर से जवाब में कहा गया कि एनपीए देना पूरी तरह नीतिगत निर्णय है, जो राज्य की वित्तीय स्थिति और अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर निर्भर करता है। यह भी कहा गया कि सभी राज्यों में यह सुविधा लागू नहीं है, इसलिए इसे अनिवार्य रूप से लागू करना जरूरी नहीं है। हालांकि सरकार ने यह स्वीकार किया कि वह इस विषय पर पुनः विचार करेगी।

दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने माना कि अन्य राज्यों में लागू व्यवस्था और केंद्र सरकार के निर्देशों को देखते हुए इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 12 सप्ताह के भीतर इस पर निर्णय ले और यदि एनपीए देने से इनकार किया जाता है तो उसका कारण स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता अपनी अन्य मांगों को लेकर अलग से अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है।

सुजानगढ़ के लोडसर गांव में अज्ञात ने विवाहिता की घर में घुसकर हत्या की

अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ गला घोंटकर हत्या करने का मामला दर्ज

- **मृतका का मोबाइल भी पुलिस को मौके पर नहीं मिला, कॉल डिटेल खंगाली जा रही है**

सुजानगढ़, (कासं)। शहर के निकटवर्ती ग्राम लोडसर में स्थित कालवा की ढाणी में घर में सो रही विवाहिता की अज्ञात व्यक्ति ने गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या की सूचना पर सदर थानाधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया मौके पर पहुंचे। इसके बाद चूरू जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम भी घटना स्थल पर पहुंचे। सुजानगढ़ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार, वृताधिकारी दरजाराम, थानाधिकारी पुष्पेंद्र झाझड़िया ने चूरू एसपी निश्चय प्रसाद एम को घटना की जानकारी दी। मृतका चंदा मेघवाल की शादी 15 वर्ष पूर्व हीरालाल मेघवाल के साथ हुई थी। मृतका के दो लड़कियां व एक पुत्र है।

मृतका के बच्चों ने पुलिस को बताया कि जब उनकी मां चंदा देवी कमरे में नहीं मिली तो पास के कमरे में जाके देखा तो जिस पर चंदा अचेत अवस्था में मिली, जिसके बाद मृतका के बच्चों ने घर के पीछे स्थित ताऊ भगवानाराम को सूचना दी। जब भगवानाराम ने अपने छोटे भाई हीरालाल की पत्नी को अचेत अवस्था में देखा तो मृतका के पिता प्रेमाराम मेघवाल व सदर थाना पुलिस को सूचना दी। चूरू से पहुंची एफएसल टीम ने मौके से फिंगर प्रिंट व अन्य साक्ष्य जुटाए। घटना के बाद हारे का सहारा टीम के संयोजक श्याम सुन्दर स्वर्णकार की मदद से मृतका का शव सुजानगढ़ के राजकीय बगड़िया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

इस घटना के बाद मृतका के पिता प्रेमाराम मेघवाल निवासी सुजानगढ़ ने सदर थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ उनकी पुत्री चंदा की गला घोंटकर हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा गला घोंटकर मृतका की हत्या की गई है। मृतका के गले पर निशान है। इसके अलावा मृतका का मोबाइल भी पुलिस को मौके पर नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। मामले में जल्द खुलासा किया जाएगा।

फोटो वायरल मामले में दो बंदी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जेल में गत दिनों हुई रोजा इफ्तार पार्टी और उसके फोटो वायरल होने का मामले में पुलिस ने दो बंदियों को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश कर फिर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया है। बंदियों ने पूछताछ में जेल में एक बंदी द्वारा मोबाइल उपलब्ध कराने की बात की है। फिलहाल इसमें अग्रिम जांच भी जारी है। रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि जोधपुर जेल में हुई रोजा इफ्तार पार्टी के कुछ फोटोग्राफ्स सोशल मीडिया पर गत दिनों वायरल हुए थे, जिसमें एक प्रकरण दर्ज कराया था। घटना के संबंध में पुलिस ने दो बंदियों उदयपुर के अंबामाता सज्जन नगर निवासी करीम खां एवं डूडी नगर ओसियां निवासी नरपत डूडी को गिरफ्तार कर लाया गया है।

नहर में मिले युवक के शव मामले में नया मोड़ आया

ट्रक ड्राइवर पर हत्या का आरोप, पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज

सूरतगढ़, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र की राजकैनाल नहर में 19 मार्च को मिले युवक के शव के मामले में अब नया मोड़ आ गया है। पहले इसे अज्ञात शव मानते हुए मर्ग दर्ज की गई थी, लेकिन पहचान होने के बाद मृतक के पिता ने एक ट्रक ड्राइवर पर हत्या का आरोप लगाते हुए सदर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार पंजाब के मलोट निवासी 24 वर्षीय मनदीप सिंह पुत्र संतोख सिंह का शव 19 मार्च को नहर में मिला था। उस समय नहर के पास खेत में काम कर रहे एक किसान जसकरण सिंह पुत्र किशन सिंह निवासी तीन एलएलपी ने पुलिस को सूचना दी थी, जिस पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की गई। बाद में शव की पहचान मनदीप सिंह के रूप में हुई और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया था, परन्तु अब मृतक के पिता संतोख सिंह पुत्र फौजासिंह निवासी गली नंबर 4, ट्रक यूनियन के पीछे, मलोट (पंजाब) ने सदर थाने में रिपोर्ट दी है।

जिसमे बताया गया है कि वह मलोट के विशाल कुमार वाट्स का ट्रक चलाता है और उसका बेटा मनदीप सिंह उसी ट्रक में खलासी का काम करता था। 17 मार्च को दोनों ट्रक में धर्मकोट के पास से रेत भरकर मुक्तसर गए थे और 18 मार्च को रेत खाली कर मलोट लौट रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, मुक्तसर बाइपास पर लवप्रीत नाम का ट्रक ड्राइवर पहले से खड़ा मिला। मनदीप उससे मिलकर वापस आया और बाद में घर पहुंचने के कुछ देर बाद मोटरसाइकिल लेकर उससे मिलने चला गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने कई बार फोन किया, लेकिन कुछ समय बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। अगले दिन तलाश के दौरान मलोट में एक स्थान पर मनदीप की मोटरसाइकिल लॉक लगी अवस्था में खड़ी मिली। इसी दौरान मृतक के चाचा ने बताया कि उसने 18 मार्च की शाम करीब 5.30 से 6 बजे के बीच मनदीप को लवप्रीत के साथ उसके ट्रक में बैठे देखा था।

ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

बीकानेर, (निसं)। शहर के जयपुर रोड पर बुधवार सुबह सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक से आमने-सामने हुई भिड़ंत इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसा जयपुर रोड स्थित जैन ढाबा के पास हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक और स्कूटी के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और महिला दूर जा गिरी। सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने महिला को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही जेएनवीसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को पीबीएम हॉस्पिटल की इमरजेंसी से मोर्चरी में भिजवाया। मृतका की पहचान सविता महावर पत्नी मनोज महावर के रूप में हुई है, जो जयपुर रोड स्थित एक कॉलोनी की निवासी थी। वह अपने काम के लिए जा रही थी, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया।

लाखों रुपए का सोना चोरी का खुलासा, गुजरात से सात बदमाश गिरफ्तार

- **पुलिस ने चोरी का माल बरामद कर वारदात में प्रयुक्त गाड़ी जब्त की**

नोखा, (निसं)। थाना पुलिस ने लाखों रुपए के रिफाइंड सोना चोरी के मामले को आठ घंटे में सुलझा लिया है। पुलिस ने गुजरात के राजकोट से सात बदमाशों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद कर लिया है। वारदात 22 मार्च को हुई थी, जब आधा दर्जन से अधिक बदमाश एक गाड़ी में सवार होकर आए थे। उगमपुरा निवासी मनोज सोनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रिफाइंड सोना खरीदने के बहाने बदमाशों ने उनके घर से 15 से 16 तोले सोने के दो पैकेट चालाकी से चुरा लिए। चोरी की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पीड़ित ने घर में सोना न मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनवारी लाल मीणा और सीओ जरनैल सिंह के पर्यवेक्षण में एक टीम गठित की गई। इस टीम ने बदमाशों को लगभग 1200 किलोमीटर दूर गुजरात के राजकोट में ट्रेस किया। पुलिस ने इस मामले में विजय भाई गोहल, नरेंद्र सुका भाई, सागर राजू भाई परमार, हरेश भाई अश्विन भाई मोरी, प्ररभत भाई कचरा भाई, गोविंद रमेश भाई बावड़ियां और विजय जीवन भाई सोलंकी को गिरफ्तार किया है। वारदात में प्रयुक्त गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। पुलिस ने चोरी किया गया पूरा सोना बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई में गुजरात के डीसीपी राजकोट और क्राइम ब्रांच राजकोट शहर की टीम का विशेष सहयोग रहा।

हादसे में दो युवकों की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बासनी औद्योगिक क्षेत्र डीजल शेड पर रात को सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि उनका साथी घायल हो गया, जिसका एमडीएम अस्पताल में उपचार जारी है। बासनी पुलिस ने शवों को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया। मृतक व घायल बाइक पर सवार थे और सामने लोडिंग टैक्सी ने टक्कर मार दी थी। पुलिस अब गाड़ी नंबर से चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

बासनी थाने के एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि बिलाड़ा के संभाडिया स्थित चौकीदारों का बास निवासी चैनाराम पुत्र डाउराम ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसका पुत्र 20 वर्षीय राकेश, उसका साथी जितेंद्रराम नायक एवं महेंद्रराम अपनी बाइक पर सवार होकर बासनी डीजल शेड से निकल रहे थे। तब इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के सामने एक टाटा मैजिक लोडिंग टैक्सी के चालक ने बाइक को चपेट में ले लिया। एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि एक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो को एंबुलैंस 108 की मदद से एमडीएम अस्पताल ले जाया गया था। वहां पर दूसरे युवक ने भी दम तोड़ दिया। हादसे में राकेश और जितेंद्रराम नायक की मौत हुई है। इनका तीसरा साथी महेंद्रराम घायल है जिसका उपचार चल रहा है। शवों को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

ओवरस्टे कर रही विदेशी महिला को शरण देने पर मामला दर्ज

- **होटल प्रबंधक और थाई नागरिक के खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट में कार्रवाई की**

अजमेर/ पुष्कर, (कासं)। राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अजमेर जिले के पुष्कर में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। सीआईडी जोन अजमेर की टीम ने ओवरस्टे कर रही थाईलैंड की महिला को शरण देने के मामले में होटल प्रबंधक और विदेशी महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया।

सीआईडी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने बताया कि पुष्कर स्थित एक होटल में एक फरवरी को थाईलैंड की नागरिक कन्याफाट नोएनहोंग ठहरी थी। होटल प्रबंधन ने उसके ऑनलाइन सी फॉर्म में गलत वीजा नंबर दर्ज किया, जिससे उसके ओवरस्टे को छिपाया जा सके। जांच में सामने आया कि दर्ज किया गया वीजा नंबर किसी अन्य युगांडा नागरिक का था। प्रारंभिक जांच में पाया गया कि विदेशी महिला पिछले दो वर्ष से अधिक समय से भारत में अवैध रूप से रह रही थी। इस दौरान होटल प्रबंधन द्वारा उसकी वास्तविक स्थिति छिपाकर उसे शरण दी गई और कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग किया गया। इस संबंध में पुष्कर थाने में प्रकरण दर्ज करते हुए होटल प्रबंधक और विदेशी महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा ने बताया कि ओवरस्टे करने वाले विदेशी नागरिकों और उन्हें शरण देने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हमले के दोषी को चार साल की सजा

- **मामले में 14 गवाहों के बयान दर्ज कराये**

कोटा, (निसं)। जानलेवा हमले के आठ साल से अधिक पुराने मामले में न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश क्रम-1 ने सुनवाई करते हुए आरोपी वीरेन्द्र सिंह उर्फ देवसिंह को दोषी मानते हुए चार साल की सजा सुनाई है। साथ ही 23500 के अर्थदंड से दंडित किया।

अपर लोक अभियोजक रामदयाल शाक्यवाल ने बताया कि 30 अक्टूबर 2017 को परिवादी ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आरकेपुरम् पुलिस को पर्चा बयान दिया। परिवादी ने बयान में कहा कि वह बोम्बे योजना में रहता है और कारिगरी का काम करता है। बबलू, सुखिया और वीरेन्द्र तीनों उसके पास आये और तीनों ने उससे अपशब्द कहते हुए वीरेन्द्र ने चाकू जैसी चीज निकालकर जान से मारने की नियत से उसकी पीठ पर वार किया और तीनों ने मारपीट की, हमले में उसके चोट लगी। पुलिस ने परिवादी के बयान पर जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया। पुलिस ने मामले में बोम्बे योजना निवासी वीरेन्द्र सिंह उर्फ देव सिंह बबलू और सुखिया को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में चली सुनवाई के दौरान आरोपी वीरेन्द्र सिंह उर्फ देवसिंह को दोषी मानते हुए चार साल की सजा सुनाई। मामले में 14 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

पोस्टमैन पद पर कार्यरत हरियाणा के युवक ने आत्महत्या की

मसूदा, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम बेगलियावास में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत युवक ने अज्ञात परिस्थितियों में फांसी लगाकर कर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार हरियाणा निवासी प्रीतम पिछले कुछ समय में बेगलियावास में कार्यरत था एवं किराए के मकान में निवास करता था। उसने अज्ञात परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

ग्रामीणों को जानकारी मिलने पर घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उताराकर उप जिला चिकित्सालय के मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया और मृतक के परिजनों को सूचना दी। परिजनों के पहुंचने पर मृतक के पिता वीर सिंह पुत्र लाल जी राम निवासी निवासी भाण्डोला, पुलिस थाना सतनाली, जिला महेन्द्र गढ़, हरियाणा ने पुलिस की दी रिपोर्ट में बताया कि कल सूचना मिली कि मेरा लड़का, डाक विभाग में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत था। हीरालाल के मकान में किराए पर रह रहा था। उसने कल दिन में रस्सी से गले में फंदा लगाकर फांसी लगा ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिया गया।

आत्महत्या के प्रयास में युवक ने खुद का गला रेता, हालत गंभीर

युवक ने घर की दीवार पर कोयले से सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उसने स्वेच्छा से आत्महत्या करना बताया

- **बताया जा रहा है कि पूर्व में उसके पिता का निधन हो चुका था, मंगलवार को बड़े पापा की मौत हो जाने से वह सदमे में आ गया था**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के गोगुंदा कस्बे में एक युवक ने आत्महत्या करने के लिए खुद को एक कमरे में बंद कर हथियार से खुद का गला काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। युवक ने घर की दीवार पर कोयले से एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उसने स्वेच्छा से आत्महत्या करना बताया है।

जानकारी के अनुसार इंदरलाल गमेती पुत्र शांतिलाल गमेती निवासी तकियों का भीलवाड़ा, पिछले करीब डेढ़ माह से मानसिक रूप से परेशान था। बताया जा रहा है कि पूर्व में उसके पिता का निधन हो चुका था और मंगलवार को उसके बड़े पापा की मौत हो जाने से वह गहरे सदमे में आ गया। घटना के बाद युवक ने खुद को घर में बंद कर लिया और घर में रखे धारदार हथियार से अपना गला काट लिया। आत्महत्या के प्रयास से पहले उसने घर की दीवार पर कोयले से सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें उसने अपनी स्वेच्छा से आत्महत्या करना लिखा और किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया। युवक की कहराने आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला। परिजनों ने गंभीर हालत में उसे तुरंत गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया। अधिक रक्तस्त्राव होने के कारण उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गोगुंदा थानाधिकारी श्याम सिंह चारण मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस को घटनास्थल से दीवार पर लिखा सुसाइड नोट भी मिला है जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

शादी के नाम पर ठगी करने वाली गैंग का खुलासा, दो महिलाएं गिरफ्तार

फर्जी शादी के बाद नगदी और जेवर लेकर फरार हो गई थी दुल्हनें

- **गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और पुलिस पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का प्रयास कर रही है**

हनुमानगढ़, (निसं)। शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। सदर थाना पुलिस ने इस मामले में 2 महिलाओं पूजा रानी (44) और निशा (22) को गिरफ्तार किया है। ये दोनों हरियाणा के फतेहाबाद जिले के रतिया कस्बे की निवासी हैं। आरोप है कि इन महिलाओं ने सुनियोजित तरीके से एक युवक को शादी का झांसा देकर लाखों रुपये ऐंठे और बाद में नकदी व जेवर लेकर फरार हो गई।

पक्का सारणा निवासी संतराम ने सदर थाना में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। संतराम ने बताया कि 28 जनवरी को उसकी मुलाकात कुरशेदा नामक महिला से हुई थी। कुरशेदा ने उसे शादी करवाने का भरोसा दिलाया और बताया कि उसका परिचित सूरजपाल रिश्ते करवाता है। कुरशेदा ने संतराम की शादी एक लड़की से करवाने के लिए 1 लाख 50 हजार रुपए की मांग की थी। अगले दिन सूरजपाल और पूजा रानी एक युवती को लेकर आए और संतराम की उससे शादी करवा दी गई। आरोपियों ने इस दौरान संतराम से नकद और अन्य माध्यमों से करीब 1 लाख 27 हजार रुपए ले लिए। शादी के बाद युवती ने अपना नाम खुशप्रीत बताया और कुछ दिनों तक युवक के घर में रही। पीड़ित संतराम के अनुसार 10 फरवरी की रात युवती घर से 17 हजार रुपए नकद, सोने-चांदी के आभूषण और एक मोबाइल फोन लेकर फरार हो गई। अगले दिन घटना का पता चलने पर संतराम ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। मामले की जांच के दौरान, पुलिस ने तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी पूजा रानी और निशा को हरियाणा के सिरसा जिले के गांव चोरमार खेड़ा से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है। गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और पुलिस पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

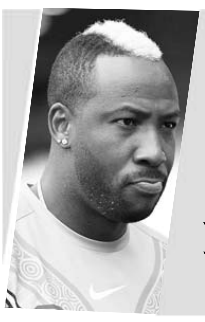

सन 2014 से 2025 तक टीम का हिस्सा रहे, सिर्फ 2017 सीजन को छोड़कर। पिछले साल नवंबर में उन्होंने से संन्यास लिया और अब टीम के पावर कोच की भूमिका निभा रहे हैं।
- आंद्रे रसेल

पूर्व वेस्टइंडीज खिलाड़ी, अपने करियर के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

स्पेंसर जॉनसन

चेन्नई सुपर किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। उन्हें चोटिल नाथन एलिस की जगह रिप्लेसमेंट के तौर पर 1.5 करोड़ रुपये की बेस प्राइस पर साइन किया गया है। एलिस पुरानी हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दिसंबर में हुए ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने बेन डकेट को 2 करोड़ रुपये में खरीदा था। डकेट पहली बार खेलने वाले थे, लेकिन टीम में विदेशी खिलाड़ी के स्लॉट के लिए उन्हें श्रीलंका के पथुम निसांका से कड़ी टक्कर मिल रही थी।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में भिड़ेंगे। दोनों टीमें 113 साल पहले भी लॉर्ड्स पर टेस्ट मैच में भिड़ चुकी हैं।

जयपुर और जयगढ़ टीम होगी आज आमने-सामने

टीम जयगढ़ ने जीता आरपीसी कप द्वितीय टूर्नामेंट का पहला मैच

जयपुर, 25 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर सीजन के आखिरी टूर्नामेंट आरपीसी कप - द्वितीय (आउट ऑफ हैट) का बुधवार को आगाज हुआ। टूर्नामेंट का पहला मैच टीम जयगढ़ और टीम नाहरगढ़ के बीच खेला गया। इस मुकाबले में टीम जयगढ़ 8.5- 6 के स्कोर से टीम नाहरगढ़ को हराकर विजयी बनी। विजेता टीम जयगढ़ से शुभम गुप्ता ने 3 गोल हासिल किए। वहीं, बलबीर सिंह और अश्विनी शर्मा ने 2-2 गोल किए। टीम के लिए योगेंद्र सिंह ने 1 गोल अर्जित किया। यहां, टीम जयगढ़ को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, टीम नाहरगढ़ की ओर से तरुण बिलवाल ने 3 गोल, सिद्धांत सिंह ने 2 गोल और नरेंद्र सिंह ने 1 गोल किया। टीम से विग्रहराज सिंह कोठारिया भी खेले। का मैच इस टूर्नामेंट का दूसरा मैच 26 मार्च, गुरुवार को शाम 5 बजे से राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम जयपुर और टीम जयगढ़ के बीच आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार, 28 मार्च को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा।

एजीएफ 11 ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, मुकाबलों में दिखा जबरदस्त रोमांच

अजमेर, 25 मार्च। अजमेर में आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले माली (सैनी) प्रीमियर लीग 2026 (सीजन-1) के तीसरे दिन भी खेल प्रेमियों को रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद देखने को मिला। पूरे दिन मैदान पर जोश, उत्साह और प्रतिस्पर्धा का शानदार माहौल बना रहा। अविनाश गहलोत फाउंडेशन, अजमेर के जिला संयोजक हिमांशु टांक ने बताया कि प्रतियोगिता दिन-प्रतिदिन और अधिक रोचक होती जा रही है तथा आने वाले मुकाबलों में कड़ा संघर्ष देखने को मिलेगा। दिन के पहले मुकाबले में एजीएफ 11 और श्री श्याम पुष्कर क्लब आमने-सामने थे। एजीएफ 11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में जीत दर्ज की और अपने इरादे मजबूत किए। इसके बाद दूसरे मुकाबले में जेएलएन और वार्ड 62 के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें वार्ड 62 की टीम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम की। दिन का तीसरा और सबसे अहम मुकाबला एजीएफ 11 और वार्ड 62 के बीच खेला गया। इस निर्णायक मुकाबले में एजीएफ 11 ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बड़ी संख्या में उपस्थित खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के गैस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. विजय सैनी मौजूद रहे। साथ ही सीनियर नर्सिंग ऑफिसर कमलेश सैनी सहित कई गणमान्य समाजबंधुओं ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। मैचों में अंपायरिंग की जिम्मेदारी मुकेश चौहान और हनी ने निभाई, जबकि साउंड और टेंट की व्यवस्था नीरज भाटी द्वारा की गई। मुकाबलों की रोचक कमेंट्री राजू बनिस्थिया ने की। आयोजकों ने जानकारी दी कि 26 मार्च को होने वाले मुकाबलों में बाबा रामदेव क्लब ब्यावर का सामना फुलेरा से होगा, जबकि दूसरा मुकाबला वर्णिका स्टोन जोधपुर और करणी माता क्रिकेट क्लब सीकर के बीच खेला जाएगा। सभी खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की गई है।

ईएमसीएल स्टाइल वॉक 2026 : जयपुर में ग्लैमर, क्रिकेट और मनोरंजन का शानदार आगाज

जयपुर, 25 मार्च। इवेंट मैनेजर्स क्रिकेट लीग (ईएमसीएल), संस्करण 9 की भव्य शुरुआत बुधवार को अनंत महल, मानसरोवर में आयोजित स्टाइल वॉक 2026 एवं आधिकारिक टीम घोषणा समारोह के साथ हुई। इस आयोजन का संचालन संस्थापक रवि यादव के नेतृत्व में किया गया, जिसमें आयोजन समिति के सदस्य - अमित सरीन, आशीष बहेती, राजन वर्मा, लक्ष्य अग्रवाल, अमित गुप्ता, दलजीत सिंह एवं विष्णु गुप्ता के समन्वित प्रयासों ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक साकार किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दिग्गज तिलकरत्ने दिलशान, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति से आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। इस अवसर पर 12 टीमों की आधिकारिक घोषणा की गई, जिनमें 1 टीम हैदराबाद से, 6 टीमें दिल्ली से और 5 टीमें जयपुर से शामिल हैं। इन टीमों में टाइगर जेसी, इवेंट्स युग, इनोसेप्ट स्ट्राइकर्स, मैप्सर वॉरियर्स, आयुष्मान चैलेंजर्स, दिल्ली मैवेरिक्स, एचओसी हरिकेन्स, एयर स्काई हॉक्स, वर्वे स्मैशर्स, एसएस एलेवन, ऑल स्टार्स सीसी और मान्यम रॉयल्स शामिल हैं। सभी टीमों को 4 समूहों में विभाजित किया गया है।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

अभय की शानदार पारी तथा उमेश की घातक गेंदबाजी से एसजे एकेडमी सेमीफाइनल में

जयपुर, 25 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज करोल क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में अभय शर्मा 86 रन (54 गेंद 9 चौके, 3 छक्के) उमेश मीणा 13 रन पर 5 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत आर.डी. क्रिकेट एकेडमी को 86 रन से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर एस. जे स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने अभय शर्मा 86 रन, हरीश सैनी 46 रन, राजेन्द्र गुर्जर 17 रन, रिहान अली 14 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 187 रन बनाये।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/NIT/Const./2026/19095 Date : 19-03-2026

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 60/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to Date 28-03-2026 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1.- DLB2526WSOB39783

Commissioner
Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/25/23242

कार्यालय नगरपालिका, रतननगर (चूरू)

फोन नं– 01562–281224 ईमेल– mun_rnagar@yahoo.in

Date : 19-03-2026

Notice Inviting Bid

Bids for of Supply Tractor & trolly work invited from interested bidders upto 11:30 AM 30-03-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.

UBN is: DLB2526SLRC39563, DLB2526SLRC39565

Executive officer
Municipal Board, Ratannagar

Raj.Samwad/C/25/23277

कार्यालय नगरपालिका, रतननगर (चूरू)

फोन नं– 01562–281224 ईमेल– mun_rnagar@yahoo.in

Date : 19-03-2026

Notice Inviting Bid

Bids for of cleaning work invited from interested bidders upto 11:30 AM 05-04-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state official website.

UBN is: DLB2526SLRC39552, DLB2526SLRC39555, DLB2526SLRC39558, DLB2526SLRC39559

Executive officer
Municipal Board, Ratannagar

Raj.Samwad/C/25/23278

जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.

गांधी नगर रेलवे स्टेशन के पास, जयपुर, ईपीएबीएक्स: 0141-2713666-69, फैक्स: 0141-2711075

e-mail: jaipurdairy@jaipurdairy.com website: http://www.jaipurdairy.com

निविदा सूचना

(1) Nib Code:- CDF2526A1457 - जयपुर दुग्ध संघ परिसर में मल्टीलेयर असेप्टिक पैक UHT घी लैमिनेट, फ्लेवरड मिल्क कैन 200ml, साल्ट फॉर बायलर, CFC फॉर श्रीखंड कप 100gm, टैंकर सील, इत्यादि पैकेजिंग मटेरियल की आपूर्ति हेतु, (2) Nib Code:- CDF2526A1458 - Operation & Maintenance of 1 Kg SMP Packing FFS Machine कार्य हेतु, (3) Nib Code:- CDF2526A1459 - पॉलीथीन स्क्रैप बेचने के कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है जिनकी सम्पूर्ण शर्तें एवं अन्य विस्तृत विवरण वेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in एवं www.jaipurdairy.com पर भी देखी जा सकती है।

प्रबन्ध संचालक

जीवन में भरे रस – हमारा प्यारा

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/सफाई शाखा/2025/12365 दिनांक :– 18.03.2026

-: ई-निविदा सूचना-2025-26 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 30.03.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक DLB2526SLOB39454, DLB2526SLOB39455 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/23287 आयुक्त, नगर परिषद, सुजानगढ

जयपुर जिला क्रिकेट संघ : महिला ए डिवीजन लीग

चंबल स्पोर्ट्स ने राजीव गांधी क्लब को हराया

जयपुर, 25 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में खेले गए मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने राजीव गांधी क्लब को 1 विकेट से हराया। राजीव गांधी क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिस्टी माथुर के 24 रन, श्री चौधरी के 37 रन, ज्योति चौधरी के 17 रन, पारी मेहता के 26 रन, रिंकू टांक के 20 रन, मीनाक्षी के 11 रनो से 50 ओवर में 185 तन बनाकर आउट हुई। चंबल स्पोर्ट्स के लिए अंशील ने 18 पर 3, अर्चना योगी ने 25 पर 3, खुशी जैन ने 45 पर 3 व रितिका भाटी ने 34 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी मे चंबल स्पोर्ट्स ने सीजे भाटी के 51 रन, निशा गुर्जर के 15 रन, अंशील के 43 रनो से 37. 2 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन बना कर मैच जीत लिया। राजीव गांधी क्लब के लिए रिंकू टांक ने 27 पर 3, लावण्या शर्मा ने 25 पर 2, मिस्ती माथुर ने 24 पर 2 व मीनाक्षी व परी मेहता ने एक - एक विकेट लिया।

स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग

निलय अरोड़ा की अर्द्धशतकीय पारी से जीती राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 25 मार्च। नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.4 ओवर में 201 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें नीलय अरोड़ा ने 68 रन व सक्षम ने 34 रनों की पारी खेली। रॉयल क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में उज्जवल चौधरी ने तीन विकेट और वैभव शर्मा व प्रियांशु यादव ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल क्रिकेट एकेडमी 20 ओवर में मात्र 72 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें रणवीर ने 24 रनों का योगदान दिया। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अक्षत मेंनारिया व मानवेंद्र ने तीन-तीन विकेट और गगन सोनी व युग झांझरिया ने दो-दो विकेट लिए। राजीव गांधी क्रिकेट अकादमी ने 129 रन से मुकाबला जीता। **मैन ऑफ द मैच- अक्षत मेंनारिया :**

दिन का दूसरा मुकाबला नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। जिसमें जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 औवर में 199/5 रन बनाए। जिसमें पुलकित ने 100 रन व रचित पटेल ने 54 रनों की पारी खेली। नारायणा क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में दक्ष बागवान ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणा क्रिकेट अकादमी 28.1 ओवर में 200/4 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। जिसमें आदित्य यादव ने 85 रन व शिवम पाल ने 56 रनों का योगदान दिया। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में समक्ष जैन व दिव्यांश ने दो-दो विकेट लिए। नारायणा क्रिकेट अकादमी ने 6 विकेट से मुकाबला जीता।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी तीसरे घरेलू मुकाबले में डायमंड हार्बर एफसी का सामना करने के लिए तैयार

जयपुर, 25 मार्च। राजस्थान यूनाइटेड एफसी अपने सीजन के तीसरे घरेलू मुकाबले में 26 मार्च 2026 को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में डायमंड हार्बर एफसी का सामना करने के लिए तैयार है। मुकाबला शाम 4:00 बजे से खेला जाएगा।

घरेलू दर्शकों के मजबूत समर्थन और बढ़ते आत्मविश्वास के साथ, आरयूएफसी इस मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण अंक हासिल करने की कोशिश करेगा। टीम ने इस मुकाबले के लिए पूरी तैयारी की है और जीत के लिए प्रतिबद्ध है। इस मैच में कई विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल शर्मा (विधायक) उपस्थित रहेंगे, जबकि विशेष अतिथियों के रूप में अमित गोयल और भूपेंद्र सैना भी मौजूद रहेंगे, जिससे इस अवसर का महत्व और बढ़ जाएगा।

चेयरमैन केके टाक का बयान: हम कल के तीसरे घरेलू मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार और उत्साहित हैं। डायमंड हार्बर एफसी एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी है और हम उनके चुनौती का सम्मान करते हैं। साथ ही, हमें अपने प्रदर्शन पर भरोसा है और हम एक मजबूत खेल दिखाने के लिए तैयार हैं। मैं सभी प्रशंसकों से आग्रह करता हूं कि वे आएं, हमारा समर्थन करें और एक यादगार माहौल बनाएं।

मुख्य कोच विक्रांत शर्मा का बयान: टीम पूरी तरह से तैयार और केंद्रित है। घरेलू मैदान पर खेलना हमें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रेरित हैं। हम अपने प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा लक्ष्य स्पष्ट है-खेल पर नियंत्रण बनाना और पूरे तीन अंक हासिल करना। आरयूएफसी अपने सभी प्रशंसकों और राजस्थान यूनाइटेड अल्ट्रास से अपील करता है कि वे स्टेडियम में आकर टीम का उत्साह बढ़ाएं और एक जोशीला माहौल बनाएं।

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा./2026/1615 दिनांक : 19.03.2026

ई-निविदा सूचना 2025-26

नगर पालिका रामगंजमंडी में वर्ष 2026-27 हेतु वार्षिक अनुबन्ध पर सक्षम श्रेणी में पंजिकृत व अन्य विभागों के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 19.03.2026 से 08.04.2026 एवं अपलोड करने की दिनांक 19.03.2026 से 08.04.2026 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 09.04.2026 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 10.4.2026 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526B3292	DLB2526SLRC39547
		DLB2526SLRC39549

राज.संवाद/सी/25/23248 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका सावर, जिला-अजमेर (राज.)

E-mail : npsawar@gmail.com Ph. - 01467-294025

क्रमांक/न.पा.सा./स्टोर/2025-26/21178248 दिनांक :– 19.03.2026

ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 16/2025-26

नगर पालिका सावर के रेफरेंस क्रमांक 21178248 दिनांक 19.03.2026 द्वारा निविदा सूचना 16/2025-26 द्वारा सप्लाई कार्य के लिये योग्य संवेदकों/फर्मो से निर्धारित प्रपत्र मे निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा http://sppp.raj.nic.in/ एवं https://eproc.rajasthan.gov.in से देखी जा सकती हैं। सशर्त निविदा मान्य नहीं होगी।

Work Name	Supply, installation, commissioning, and maintenance of IP based CCTV Video Surveillance Systems
Place	Municipal Board Sawar
NIB CODE	Eproc ID : 2026_DLB_547592_1 SPPP ID : DLB2526B3333
No. of Work	01
Total Work Amount	130.00 Lacs
Publishing Date & Time	20.03.2026 प्रातः 09:00 से
Bid Start Date & Time	20.03.2026 प्रातः 09:00 से
Bid Submission End Date & Time	19.04.2026 सांय 06:00 बजे तक
Website for Downloading tender document	https://eproc.rajasthan.gov.in
Tender DD & Documents Submission Start Date & Time	20.04.2026 प्रातः 11:00 बजे से
Tender DD & Documents Submission End Date & Time	20.04.2026 दोपहर 02:00 बजे से
Tender Opening Date & Time	20.04.2026 को सांय 04:00 बजे
Bid Validity Period	90 Days From the Date of Submission.

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, सावर

राज.संवाद/सी/25/23252

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17 : अरावली क्लब, एनबी एकेडमी व लक्ष्य एकेडमी जीती, परम सिंह का शतक

जयपुर, 25 मार्च। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर -17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में अरावली क्लब ने जी आर एकेडमी को 4 विकेट से हराया, लक्ष्य एकेडमी ने डी एस एकेडमी को 12 रन से हराया व एन बी एकेडमी ने कल्याणी एकेडमी को 3 विकेट से हराया। आज प्रातः अरावली ग्राउंड पर जी आर एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इशांत शर्मा के 22 रन, ब्रजेश यादव के 39 रन, यथार्थ भारद्वाज के 21 रन, कविन चड्ढा के 93 रन, गौरव पुनिया के 49 रन व तुषार चेलानी के 23 रनो से 50 ओवर में 8 विकेट पर 272 रन बनाए। अरावली क्लब के लिए समीर ने 39 पर 2, आजाद ने 27 पर 2, अक्षित, शौर्य ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में अरावली क्लब ने दक्ष सेतिया के 74 रन, परम सिंह के 107 रन व अक्षित के 22 रनो से 48 ओवर में 6 विकेट पर 276 रन बना कर मैच जीत लिया। जी आर एकेडमी के लिए इशांत शर्मा ने 49 पर 2, यथार्थ भारद्वाज व गौरव पुनिया ने एक - एक विकेट लिया दूसरे मैच में लक्ष्य ग्राउंड पर समर प्रताप के 31 रन आदित्य जाखड़ के 55 रन, हैरी तिवारी के 86 रन व प्रियांशु माली के 21 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 262 रन बनाए। डी एस एकेडमी के लिए अनुराग लखन ने 31 पर 3, अक्षय वैष्णव ने 62 पर 2, तनवीर, आदित्य व रोनित ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में डी एस एकेडमी की टीम जतिन सिरोया के 28 रन, नरपत चौधरी के 65 रन, कौशलेंद्र सिंह के 30 रन, तनवीर अहमद के 52 रन व अक्षय वैष्णव के 25 रनो की पारियों के बावजूद, 47.4 ओवर में 250 रनो पर सिमट गई। लक्ष्य एकेडमी के लिए आनंद सिरवी ने 49 पर 4, तेजस जोशी ने 14 पर 2 व अक्षत प्रधान ने 17 पर 2 विकेट लिए। तीसरे मैच में एन बी ग्राउंड पर कल्याणी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अतुल पाठक के 27 रन, रक्षित के 18 रन व समीर ढाका के 18 रनो से 21.5 ओवर में 105 रनो पर सिमट गई। एन बी एकेडमी के लिए रोहन मीणा ने 35 पर 5, लक्षित ने 31 पर 2 व समर्थ ने 35 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में एन बी एकेडमी ने विहान जैन के 42 रन, देवांश सिंह के 21 रन असद के 11 रनो से 26.4 ओवर में 7 विकेट पर 106 रन बनाकर मैच जीत लिया। कल्याणी एकेडमी के लिए समीर ढाका ने 24 पर 4, मोहम्मद अजमल ने 19 पर 2 विकेट लिए।

ईरान ने अमेरिकी विमान वाहक जहाज पर मिसाइल अटैक किया

ईरानी नौसेना कमांडर एडमिरल शाहराम ईरानी ने कहा इस हमले से जहाज को अपना रास्ता बदलने को मजबूर होना पड़ा

इस्तांबुल, 25 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरानी नौसेना ने घोषणा की कि उसकी क्रूज मिसाइलों ने अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन को निशाना बनाया, जिससे अमेरिकी बेड़े को अपनी जगह बदलने पर मजबूर होना पड़ा। ईरानी नौसेना के कमांडर, रियर एडमिरल शहरम ईरानी ने चेतावनी दी कि अगर यह दुश्मन कैरियर ग्रुप, ईरानी मिसाइल सिस्टम की रेंज में घुसा, तो उस पर ज़ोरदार हमला किया जाएगा।

- **अमेरिका की सैंट्रल कमांड ने इस हमले की पुष्टि नहीं की।**

नौसेना कमांडर ने सेना के ऑपरेशनल कमांड पोस्ट से अब्राहम लिंकन पर गोलीबारी करने का आदेश जारी किया है।

प्रेस टीवी ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें कहा गया कि सशस्त्र बलों ने अमेरिकी कैरियर पर मिसाइलें दागीं, जबकि सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने नौसेना के अधिकारियों के हवाले से इस ऑपरेशन का ब्योरा दिया है।

आईआरएनए के अनुसार ईरानी नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल शहरम ईरानी ने कहा कि दुश्मन एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन की गतिविधियों पर लगातार नज़र रखी जा रही है और जैसे ही यह ईरान की मिसाइल प्रणालियों की सीमा में प्रवेश करेगा, इसे फिर निशाना बनाया जाएगा।

एजेंसी ने कहा कि तटीय लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम क्रूज़ मिसाइलें अमेरिकी कैरियर ग्रुप की ओर दागी गईं, जिससे उसे अपनी जगह बदलने पर मजबूर होना पड़ा। फिलहाल, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिका और इजराइल 28 फरवरी से ईरान पर हवाई हमले कर रहे हैं, जिसमें अब तक 1,340 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई भी शामिल हैं।

ईरान ने इजराइल के साथ-साथ जॉर्डन, इराक और खाड़ी देशों को निशाना बनाकर ड्रोन और मिसाइल हमलों से जवाबी कार्रवाई की है। ये वे देश हैं जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इन हमलों से जान-माल का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढ ांचे को क्षित पहुंची है।

आरजीकर रेप पीड़िता की मां को भाजपा ने टिकट दिया

कोलकाता, 25 मार्च। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए 19 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। भाजपा की इस लिस्ट में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ पानीहाटी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगी। इसके अलावा, भाजपा ने रिटायर एनएसजी कमांडो दीपंजन चक्रवर्ती को भी टिकट दिया है।

दरअसल आरजी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या की पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए कमल निशान के तहत चुनावी मैदान में उतरेंगी। ऐसे में बुधवार को भाजपा की तीसरी उम्मीदवार सूची ने अब आधिकारिक तौर पर इस घोषणा पर मुहर लगा दी है।

'अपनी हार को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुसंधान कार्यक्रमों को समाप्त करना शामिल है।

इस योजना में यह भी निर्धारित किया गया है कि ईरान पूरे क्षेत्र में इस्लामी उग्रवादी संगठनों को प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन देना बंद करे, क्योंकि लेबनान में हिज़्बुल्लाह से लेकर आईएसआईएस, हूती और कई अन्य संगठनों को ईरान द्वारा फंड और प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। इसके जवाब में ईरान ने शांति योजना को खारिज करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति का मज़ाक उड़ाया और कहा कि अमेरिका स्वयं से ही बातचीत कर रहा है। ईरान ने यह भी नकार दिया कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई संपर्क स्थापित हुआ है। ईरान का कहना है कि वह अमेरिका के साथ इस तरह के किसी भी समझौते पर बातचीत नहीं करेगा।

डॉनल्ड ट्रंप एक ओर तो आक्रामक रुख दिखाते नज़र आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ स्थायी शांति समझौते की बात भी कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और अन्य बलों को पश्चिम एशिया में तैनाती के लिए आगे बढ़ने का आदेश दिया है। एक नौसैनिक बेड़ा जो पहले जापान में तैनात था, अब ईरान और खाड़ी की ओर बढ़ रहा है।

माना जा रहा है कि डॉनल्ड ट्रंप आगे की रणनीति तय करने के लिए समय ले रहे हैं। इस बीच, युद्ध की तेज़ गति ने कथित तौर पर गोला-बारूद के भंडार का एक बड़ा हिस्सा समाप्त कर दिया है और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ उत्पादन तेज करने की कोशिश कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका को कुछ प्रमुख हथियारों और उच्च-प्रौद्योगिकी रक्षा उपकरणों के लिए आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति श्रृंखला में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इन आधुनिक रक्षा हथियारों और गोला-बारूद के निर्माण में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ मिनरल्स) की आवश्यकता होती है, जिनके लिए अमेरिका काफी हद तक चीन पर निर्भर है।

यह भी रिपोर्ट्स हैं कि अमेरिका के पास अब मुश्किल से कुछ महीनों का ही पर्याप्त भंडार बचा है और वह इसे फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की कमी डॉनल्ड ट्रंप के लिए और भी बड़ी चुनौती बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जल्द ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से शिखर वार्ता करने वाले हैं, जो लंबे समय से लंबित है।

रक्षा के महत्वपूर्ण संसाधनों के लिए चीन पर यह निर्भरता अमेरिका के सौदेबाजी के विकल्पों को भी सीमित कर रही है, और ट्रंप इन निर्भरताओं को कम करने के तरीके खोज रहे हैं। दूसरी ओर, शी जिनपिंग ने अमेरिका को दुर्लभ पृथ्वी सामग्री की आपूर्ति को लेकर अपना रुख और सख्त कर लिया है।

'24, अकबर रोड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। यदि वे इस ज़मीन आवंटन को स्वीकार कर लेते हैं, तो कब्जा लेने की तारीख से तीन साल के भीतर उन्हें पहले आवंटित बंगले या अन्य परिसरों को खाली करना होता है। कांग्रेस ने 2009 में नए भवन का निर्माण शुरू किया था और 2025 में निर्माण कार्य पूरा होने पर नए कांग्रेस मुख्यालय के रूप में "इंदिरा भवन" का उद्घाटन हुआ। भाजपा भी अब दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित अपने नए कार्यालय से काम कर रही है।

इसी पृष्ठभूमि में बदले की राजनीति का मुद्दा भी सामने आता है। भाजपा ने भले ही दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर अपना नया कार्यालय शुरू कर दिया था, लेकिन उसने कुछ समय तक अपने पुराने कार्यालय 11 अशोका रोड से भी काम जारी रखा था। बाद में यह बंगला पार्टी सांसद बैजयंत पांडा को आवंटित कर दिया गया। दूसरी ओर, कांग्रेस ने भी 24 अकबर रोड को अपने नाम आवंटित करने के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे अनुमति नहीं दी गई। पार्टी नेता सरकार की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं, क्योंकि कई ऐसे नेता, जो अब सांसद नहीं हैं, अभी भी लुटियंस दिल्ली के सरकारी बंगलों में रह रहे हैं। इनमें भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी और पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आज़ाद शामिल हैं।

नोटिस को लेकर कांग्रेस नेताओं की भावुक प्रतिक्रिया इस इमारत से जुड़ी पुरानी यादों के कारण भी है। सन् 1977 के चुनाव में हार के बाद, इंदिरा गांधी ने 24 अकबर रोड को पार्टी कार्यालय के रूप में इस्तेमाल करना शुरू किया था। उस समय यह बंगला पार्टी के राज्यसभा सांसद जी वेंकटस्वामी के पास था। इस बंगले ने राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री काल के दौरान कांग्रेस के पुनरुत्थान को भी देखा है।

मुख्यमंत्री बनने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वेणुगोपाल अन्य राज्यों में भी वही प्रयास नहीं कर सकते थे, जो अब केरल में कर रहे हैं? या फिर यह सक्रियता केवल इसलिए है, क्योंकि उनकी नज़र मुख्यमंत्री पद पर है।

केरल कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री पद को लेकर वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

गुजरात में समान नागरिक संहिता बिल पारित

गांधीनगर, 25 मार्च। गुजरात विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक आज बहुमत से पारित हो गया है। इसके साथ ही, उत्तराखंड के बाद गुजरात यूसीसी लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य बन गया है। बिल पारित होने के बाद सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेज थपथपाकर विधेयक का स्वागत किया और विपक्षी सदस्यों ने सवाल उठाएं। गुरुवार को विधानसभा में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया। जिसके बाद सदन में 7 घंटे में लंबी चर्चा हुई। चर्चा के दौरान हलाला प्रथा, शाह बानो केस, अभिनेता धर्मेंद्र के दूसरे विवाह और श्रद्धा वाकर जैसे मामलों का भी उल्लेख किया गया।

- **गुजरात देश का दूसरा राज्य है जहां समान नागरिक संहिता बिल पारित हुआ, पहला राज्य उत्तराखंड है।**

'जुबीन गर्ग की मौत डूबने से हुई'

गुवाहाटी, 25 मार्च। सिंगापुर के कोरोनर कोर्ट ने प्रसिद्ध असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत को लेकर अपना अंतिम फैसला सुनाते हुए कहा है कि उनकी मृत्यु पानी में डूबने के कारण हुई थी। कोर्ट द्वारा प्रस्तुत निष्कर्षों के अनुसार, मामले की विस्तृत जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह पुष्टि की गई कि मौत का कारण डूबना था। कोरोनर ने यह भी स्पष्ट किया कि यह एक आकस्मिक घटना थी।

इस फैसले के साथ ही मामले को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है और अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि घटना में किसी तरह की साजिश या आपराधिक पहलू शामिल नहीं था। इस संदर्भ में विस्तृत विवरण के प्रतीक्षा की जा रही है। गौरतलब है कि, असम पुलिस की क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित कर दिसंबर, 2025 में गुवाहाटी की एक कोर्ट में गायक की मौत के मामले में एक विस्तरित चार्जशीट दाखिल की थी।

- **सिंगापुर कोर्ट के इस फैसले के बाद जुबीन की मौत में साजिश को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग सकता है।**

मॉल की बेसमैंट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ ने याचिकाकर्ताओं को नगर निगम के कर निर्धारक और राजस्व अधिकारी के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया है। अदालत ने कहा है कि 27 मार्च को इस मामले पर सुनवाई की जाए। उल्लेखनीय है कि जयपुर के कई अन्य मॉल संचालकों की ओर से भी इसी मुद्दे पर हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं, जो 27 मार्च को हाईकोर्ट में सूचीबद्ध हैं।

महिमा बिल्डर्स द्वारा दायर मामले में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नगर निगम के कर निर्धारक कैसे और क्या फैसला लेते हैं, क्योंकि उनके निर्णय को न्यायालय में पुनः चुनौती दी जा सकती है।

'भाजपा से फंडिंग का आरोप एकदम निराधार'

- **एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने तृणमूल कांग्रेस के इस आरोप पर यह भी कहा अगर ऐसा है तो मैं 90 प्रतिशत पैसा तृणमूल को दे दूंगा।**
- **ओवैसी बंगाल में तृणमूल से अलग हुए हुमायूं कबीर के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।**

कोलकाता, 25 मार्च। पश्चिम बंगाल में अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के उस आरोप को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि उनकी पार्टी को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से धन मिल रहा है।

कोलकाता के उत्तरी उपनगर दमदम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में ओवैसी ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह निराधार है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि अगर ऐसा है तो मैं 90 प्रतिशत धन तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को दे दूंगा, पांच प्रतिशत खुद रखूंगा और बाकी पांच प्रतिशत अपने भाई हुमायूं कबीर को दे दूंगा।

इस दौरान हुमायूं कबीर भी मौजूद थे, जिन्होंने हाल ही में, तृणमूल कांग्रेस से निलंबित होने के बाद, अपनी नई राजनीतिक पार्टी आम आदमी उन्नयन पार्टी का गठन किया है।

ओवैसी ने बताया कि उनकी पार्टी और आम आदमी उन्नयन पार्टी के बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे का समझौता हुआ है। दोनों दल राज्य की कई सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, खासकर उन क्षेत्रों में, जहां अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या अधिक है। तृणमूल कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए ओवैसी ने सवाल उठाया कि क्या 2016 में भाजपा के केवल तीन विधायकों से बढ़ कर 2021 में 77 विधायक होने में उनकी कोई भूमिका थी। उन्होंने कहा कि क्या यह मैंने किया था? क्या मैं इतना शक्तिशाली हो गया हूं? उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी अपनी वास्तविक राजनीतिक ताकत को ध्यान में रखकर ही चुनाव लड़ रही है।

इस अवसर पर ओवैसी ने तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मुस्लिम समुदाय की भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया कि लगातार चुनाव जीतने के बावजूद राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय का अपेक्षित विकास नहीं हुआ है।

ईरान सिर्फ जेडी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि विटकॉफ, कुश्नर और यहां तक कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तुलना में वेंस को संघर्ष खत्म करने के पक्ष में ज्यादा गंभीर माना जा रहा है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908